RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 3 सोमवार 21 से 27 अप्रैल, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

अपराध पर लगाई जाएगी लगाम, प्रत्येक व्यक्ति की होगी सुनवाई: जे रविंद्र गौड़ ...2

24 अप्रैल को पीएम मोदी की जनसभा को लेकर मुख्यमंत्री ने किया सभा स्थल का निरीक्षण, अधिकारियों संग की बैठक

सीएम योगी ने पनकी पावर प्लांट का किया निरीक्षण, मेट्रो में किया सफर

लखनऊ। 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर शहर में रहे। यहां सीएम योगी ने योजनाओं का निरीक्षण किया साथ ही पीएम मोदी की जनसभा स्थल का भी निरीक्षणे। अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर पीएम के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। योगी आदित्यनाथ नये मेट्रो स्टेशन नयागंज से रावतपुर मेट्रो स्टेशन तक सवारी भी की।

भाजपा एमएलसी ने सीएम योगी को गणेश भगवान की प्रतिमा भेंट की

सीएम योगी आदित्यनाथ कानपुर में पनकी स्थित भाजपा एमएलसी मानवेंद्र सिंह के घर पहुंचे। जहां उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी मौजूद रहे। वहीं, मानवेंद्र सिंह के परिजनों ने सीएम योगी को गणेश भगवान की प्रतिमा भेंट की।

मेट्रो में सफर के दौरान सीएम के साथ भाजपाई रहे मौजूद

कानपुर मेट्रो के अंडरग्राउंड सेक्शन नयागंज से चुन्नीगंज और एलीवेटेड सेक्शन मोतीझील से रावतपुर तक सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्रेन में बैठकर सफर किया। इस दौरान उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मंत्री राकेश सचान, महापौर प्रमिला पांडेय, सांसद रमेश अवस्थी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने पनकी प्लांट का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से चार दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पनकी पावर प्लांट पहुंचे। यहां पर उन्होंने पॉवर प्लांट परियोजना की जानकारी मुख्य अधिकारियों से की। प्लांट से किन-किन जिलों में बिजली आसानी से पहुंच सकेगी यह भी जानकारी मुख्यमंत्री ने परियोजना अधिकारियों से ली। वर्तमान में क्या स्थिति है, संचालन में किसी भी प्रकार कोई समस्या आदि तो नहीं इस पर उन्होंने विशेष ध्यान दिया। हालांकि मौजूद अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्तमान में आम सोने के बाद बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। प्लांट में लगी विशालकाय चिमनी और यहां पर हाईटेक सिस्टम देख कर मुख्यमंत्री काफी प्रभावित हुए। उनके सामने थ्री डी मॉडल भी पेश किया गया।

भाजपाइयों ने चकेरी एयरपोर्ट पर किया स्वागत

सीएम योगी आदित्यनाथ दोपहर में चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान उनका कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने स्वागत किया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के शहर आने से पहले विपक्षी नेता नजरबंद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर में आगमन को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस ने रविवार तड़के ही कांग्रेसी नेता विकास अवस्थी के बर्रा आवास पर उनको घर से बाहर नहीं निकलने दिया। विकास अवस्थी ने कहा कि सरकार तानाशाही कर लोकतंत्र की हत्या करना चाहती है। महंगाई, बेरोजगारी व अपराध पर सरकार का नियंत्रण नहीं है।

जनसभा की तैयारियों का भी किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री मोदी 24 अप्रैल को सीएसए में एक जनसभा करेंगे। इसको लेकर पंडाल लगाया जा रहा है। रविवार को मुख्यमंत्री सभा स्थल पहुंचकर तैयारियों को देखा साथ ही सीएसए के कमेटी हॉल में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेट्रो स्टेशन का किया सफर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कानपुर दौरे के दौरान मेट्रो स्टेशन का सफर किया है। इस दौरान वह नयागंज मेट्रो स्टेशन से चलकर रावतपुर स्टेशन तक उन्होंने सफर किया। उसके बाद वह सड़क मार्ग से अन्य कार्यक्रमों के लिए रवाना हो गए।

जिलाधिकारी ने परखी सुरक्षा-व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे को देखते हुये जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को अरमापुर स्टेट ग्राउंड में निमार्णाधीन हेलीपैड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेफ हाउस, स्विस कॉटेज व अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पनकी तापीय विस्तार परियोजना का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों से कंट्रोल रूम, एडमिन बिल्डिंग, सीआईएसएफ तैनाती सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ -साथ साफ- सफाई व अन्य आवश्यक सुविधाएं बनाने के निर्देश दिए। प्लांट में अंदर उड़ने वाली धूल को काबू में करने के लिए पानी का छिड़काव और साफ-सफाई के निर्देश दिए।

पीएम और सीएम के रूट से हटाया अतिक्रमण

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रस्तावित रूट को लेकर नगर निगम ने शनिवार को अतिक्रमण अभियान चलाया गया था। ग्रीनपार्क चौराहा से बड़ा, नयागंज, फूलबाग से लेकर विजय नगर तक नगर निगम ने अतिक्रमण हटाया। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि जोनल अधिकारी जोन-1 द्वारा सिविल लाइंस ग्रीन पार्क चौराहे से बड़ा चौराहा (जेड स्क्वायर मॉल) फूलबाग चौराहा होते हुए नयागंज चौराहे तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 30 अस्थाई अतिक्रमण हटवाए गए। इसके बाद जोनल अधिकारी जोन-6 द्वारा जोन-6 सीमांतर्गत 9 नम्बर क्रांसिंग से नमक फैक्ट्री चौराहा से डबल पुलिया होते हुए गल्ला मण्डी चौराहा तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 367 अस्थाई अतिक्रमण हटवाए गए।

'ज्ञान के साथ अर्थव्यवस्था में बज रहा भारत का डंका'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- हम तेजी से बढ़ रहे आगे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान रक्षामंत्री ने लोगों को संबोधित किया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ज्ञान के साथ ही अब अर्थव्यवस्था के मामले में भी भारत का डंका बज रहा है। भारत इस समय दुनिया की सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। भारतीय ज्ञान परंपरा का लोहा पूरा विश्व मानता रहा है। इस ज्ञान परंपरा के दम पर भारत को हमें विकसित राष्ट्र बनाना है।

इस समय भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, अगले दो साल में हम विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएंगे।

प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में विधायक नीरज बोरा के साथ ही क्षेत्र के सभी पार्षद और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

साइबर थाना, फायर स्टेशन व कोतवाली का पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- अचानक सीपी के पहुंचने से मचा हडकंप, दिये जरूरी दिशा-निर्देश
- आगन्तुकों/शिकायत कर्ताओं के साथ मृदुल व्यवहार रखते हुए उनकी शिकायत पर त्वरित करें कार्यवाही

गाजियाबाद। कमिश्नरेट का चार्ज संभालने के बाद से ही पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गौड लगातार पुलिस विभाग में सुधार के हर संभव प्रयास में लगे हैं। इसी क्रम में रविवार को अवकाश होने के बाद भी वह निरीक्षण पर निकल पड़े। दोपहर में पुलिस आयुक्त अचानक कोतवाली घंटाघर जा पहुंचे। पुलिस आयुक्त के वहां पहुंचते ही पुलिस विभाग में हडकंप मच गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने कोतवाली परिसर में बने साइबर थाने व फायर स्टेशन तथा कोतवाली का निरीक्षण किया। साइबर थाने में उन्होंने साईबर फ्रॉड के मामलों को लेकर जानकारी ली तो वहीं दमकल विभाग से अग्निशमन की व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। इसके अलावा कोतवाली में उन्होंने अपराध से संबंधित जानकारी ली।

रविवार को पुलिस आयुक्त ने थाना कोतवाली नगर एवं थाना साइबर क्राइम का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान पुलिस आयुक्त गाजियाबाद ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर एवं प्रभारी थाना साइबर क्राइम को जनता केंद्रित (सिटीजन सेंट्रिक) पुलिसिंग की दिशा में एक पहल को लेकर आगन्तुकों/शिकायत कर्ताओं के साथ मृदुल व्यवहार रखते हुए उनकी शिकायत पर त्वरित एवं तत्परता से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके बाद पुलिस आयुक्त ने कोतवाली नगर परिसर स्थित अग्निशमन केन्द्र का भी भ्रमण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पुलिस आयुक्त ने इस दौरान साफ कहा कि उन्हें कहीं भी किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार की कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। पुलिस के पास आने वाले हर पीड़ित की समस्या सुनी जाए और उस पर समय से अमल करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

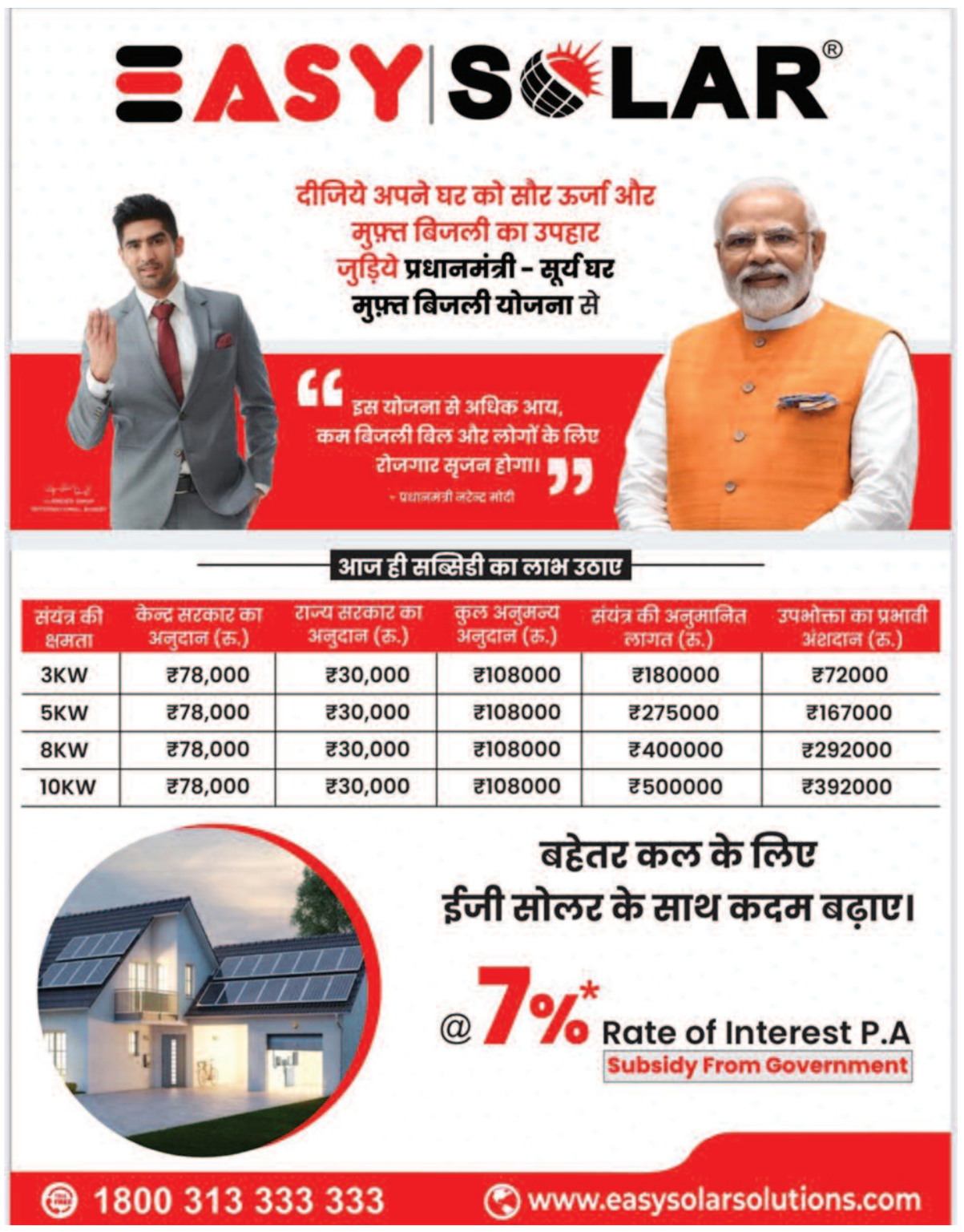

अपराध पर लगाई जाएगी लगाम, प्रत्येक व्यक्ति की होगी सुनवाई: जे रविंद्र गौड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

24 घंटे में किया जाएगा हर शिकायत का फालोअप

पुलिस आयुक्त की मांने तो उनके यहां से जिस भी पीड़ित की शिकायत जिस भी थाने या फिर चौकी पर जाएगी, उसको लेकर लगातार फाओअप किया जाएगा। 24 घंटे के भीतर ही उनके यहां से जाने वाली शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई, पीड़ित से कौन पुलिसकर्मी जाकर मिला और उसकी समस्या का समाधान कहां तक पहुंचा, इसकी जानकारी उन तक मिलती रहे, ऐसी व्यवस्था की जा रही है। इसको लेकर भी उन्होंने अधीनस्थों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये हैं।

भ्रष्टाचारी हो जाएं सावधान, एफआईआर पर भी होगी नजर

पुलिस आयुक्त ने बातचीत के दौरान स्पष्ट संदेश दिया कि यदि उन्हें कहीं भी कोई भी शिकायत भ्रष्टाचार के संबंध में मिलती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। भ्रष्टाचार को वह किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं करेंगे। इतना ही नहीं प्रत्येक एफआईआर के मामले में भी उनकी पैनी नजर रहेगी। एफआईआर में देरी होने, पीड़ित की समय से सुनवाई नहीं होने और एफआईआर की एवज में पैसों की मांग करने या फिर पैसे लेने की शिकायत यदि उनके पास पहुंची तो समझो भ्रष्टाचारी की खैर नहीं।

अवकाश पर जाने वाला कोई भी पुलिसकर्मी साथ नहीं ले जाएगा तहरीर

पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गौड ने बताया कि उनके कार्यार्काल के दौरान जो भी पुलिसकर्मी या अधिकारी अवकाश पर जाएगा तो वह किसी भी पीड़ित की शिकायत या फिर तहरीर अपने साथ लेकर नहीं जाएगा। यदि उन्हें ऐसी कोई भी शिकायत मिली तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में भी उन्होंने अपने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिये हैं। किसी भी शिकायत पर यदि मुकदमा दर्ज होने में देरी होती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।

गाजियाबाद। कमिश्नरेट की कमान संभालने के दूसरे ही दिन नवनियुक्त पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गौड ने आमजन को सबसे बडी राहत देने की ठान ली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराध से चंद लोग तो यातायात के जाम से हर आम इंसान प्रभावित होता है। इसके लिए अपराध पर लगाम लगाने के साथ ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी जनपदवासियों को यातायात के जाम ने निजात दिलाना। इसके लिए वह जल्द ही कार्य योजना बनाकर कार्य शुरू करेंगे।

बकौल पुलिस आयुक्त उनके यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की ना केवल सुनवाई होगी, बल्कि 24 घंटे के अंदर ही पीड़ित की समस्या का फालोअप भी किया जाएगा। जिससे आमजन के मन में पुलिस के प्रति विश्वास जग सके। पुलिस आयुक्त अब कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पुलिस कार्यालय में बैठकर ही जनसुनवाई करेंगे।

मृदुभाषी व व्यवहार कुशलता के मामले में अपनी अलग पहचान बनाने वाले कमिश्नरेट के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गौड कानून-व्यवस्था के मामले में बहुत ही सख्त मिजाज हैं। वह अपराध के मामले में किसी भी प्रकार की हीला-हवाली करने के मूड़ में नहीं रहते। गुरूवार को कमिश्नरेट गाजियाबाद के दूसरे पुलिस आयुक्त के रूप में कार्य संभालने वाले 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी जे रविंद्र गौड ने बताया कि कानून-व्यवस्था के साथ ही उनकी प्राथमिकताओं में यातायात से उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या है।

उन्होंने कहा कि अपराध होने पर जहां चंद लोग ही प्रभावित होते है वहीं यातायात से लगने वाला जाम आम हो या खास प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करता है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि वह यातायात व जाम का जल्द ही काम तमाम करेंगे। जनपद में यातायात विभाग में भारी भरकम स्टॉफ को इस प्रमुख कार्य के लिए लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी समस्या है जिसका समाधान होने पर आमजन को राहत मिलेगी और उन्हें महसूस होगा कि अब वह कमिश्नरेट में रह रहे हैं। जाम का खात्मा करने के लिए जल्द ही कार्य योजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

जल्द ही जनपद वासियों को उनके द्वारा किये गए कार्य दिखाई देंगे। उनका उददेश्य है कि आम आदमी किसी भी प्रकार से परेशान ना हो। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने कहा कि यातायात की समस्या के समाधान के साथ ही अपराधों पर भी नियंत्रण करने का कार्य किया जाएगा। उनके यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुनवाई होगी। कोई भी उनके कार्यालय से निराश होकर नहीं लौटेगा।

प्रत्येक क्षेत्र के हिसाब से किया जाएगा बीट का निर्धारण

नवनियुक्त पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गौड ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए वह बीट पुलिसिंग पर ज्यादा जोर देंगे। इसके लिए प्रत्येक क्षेत्र के हिसाब से प्रत्येक थाना क्षेत्र में बीट का निर्धारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीट व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित पुलिस चौकी पर तैनात कांस्टेबल व हैड कांस्टेबल की होती है।

ऐसे में अब वह इस व्यवस्था को पूर्णरूप से लागू कराने का हर संभव प्रयास करेंगे। सभी प्रकार के वैरीफिकेशन, सम्मन, पासपोर्ट जैसे कार्यो के सत्यापन की जिम्मेदारी भी बीट वाले स्टॉफ की होगी।

जिलाधिकारी के की अध्यक्षता में जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील दिवस आयोजित

तीनों तहसीलो में कुल 137 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 11 का निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा के निर्देशन व अध्यक्षता में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों मे सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

लोनी तहसील: जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा की अध्यक्षता में जनपद की लोनी तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 54 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि शेष शिकायतों को समयान्तराल पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण करते हुए फीडबैक लेना सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान सीएमओ श्री अखिलेश मोहन, डीडीओ श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तवा, एसडीएम श्री राजेन्द्र कुमार, ईओ श्री विवेक मिश्र की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान तहसील का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मोदीनगर तहसील: एडीएम एल/ए लोनी श्री केके मिश्रा, पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। तहसील दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा ने बंथला लोनी में नव निमाणार्धीन एसडीएम, एसीपी मोदीनगर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सदर तहसील: एसडीएम सदर श्री अरूण दीक्षित की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस दौरान कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 06 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार श्री रवि, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस प्रकार तीनों तहसीलों में सदर 38, मोदीनगर 45 व लोनी में 54 शिकायतें प्राप्त हुई। कुल प्राप्त 137 शिकायतें में से 11 शिकायतों को मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु अध्यक्ष महोदय द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जीडीए ने किया मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण में मानचित्र समाधान दिवस में उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा विभिन्न अनुभागों से लगाई गई आपत्तियों के आधार पर निरस्त किए गए मानचित्रों की समीक्षा की गई। उपाध्यक्ष के पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुरूप, प्राधिकरण में मानचित्रों की डिटेल गुगल सीट पर तैयार की जाती है। इस गुगल सीट में अंकित नक्शों पर कब, किस अनुभाग द्वारा, क्या आपत्ति की गई है, इसकी केस टू केस समीक्षा की गई।

इस संबंध में कुछ मामलों में आवेदकों एवं वास्तुविदों से दूरभाष पर स्वयं उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने वार्ता की और मानचित्र स्वीकृति में आ रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जो निराकरण प्राधिकरण स्तर पर हो सकते थे, उनके लिए मुख्य नगर नियोजक को निर्देशित किया गया। इन नक्शों में मुख्य रूप से होटल, पेट्रोल पंप, गेस्ट हाउस, ग्रुप हाउसिंग आदि के मानचित्र सम्मिलित थे। कुछ वास्तुविदों को सहींआपत्तियों का त्वरित निस्तारण करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

सभी जन-सामान्य को सूचित किया जाता है कि जिन आवेदकों / आर्किटेक्ट द्वारा प्रस्तावित निर्माण के मानचित्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं, और स्वीकृति में या आपत्ति निस्तारण में कोई परेशानी आ रही हो, तो वे प्रत्येक गुरुवार (अवकाश छोड़कर) आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

कविनगर व सिटी जोन अंतर्गत हटाए गए 500 से अधिक अवैध विज्ञापन होर्डिंग व बैनर

रोस्टर के क्रम में रात्रि में भी निगम चलाएगा अवैध होर्डिंग हटाने का अभियान- अवनींद्र कुमार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा अवैध विज्ञापन के विरुद्ध कार्यवाही करने के कड़े निर्देश टीम को दिए गए, जिसके क्रम में अवैध रूप से लगे हुए विज्ञापन के होर्डिंग तथा बैनर को हटाने की कार्यवाही टीम के द्वारा की गई अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा रात्रि में ही प्रभारी विज्ञापन डॉ अनुज सिंह तथा टीम के साथ मिलकर बाजारों की सड़कों पर अभियान चलाया, मौके पर कवि नगर से राकेश गुप्ता तथा सिटी जोन से महेंद्र अहिरवार जोनल प्रभारी व टीम भी उपस्थित रही।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र द्वारा बताया गया नगर निगम समय-समय पर अवैध विज्ञापन हटाने के लिए कार्यवाही कर रहा है निर्देश अनुसार कार्यवाही को रफ्तार दी गई जिसमें रात्रि में भी अवैध विज्ञापन हटाने की कार्यवाही कवि नगर तथा सिटी जोन अंतर्गत की गई, सिटी जोन में वृहद स्तर पर होर्डिंग,पोस्टर बैनर इत्यादि के विरुद्ध अभियान चलाते हुए चार ट्रैक्टर ट्राली एवं एक टिप्पर बैनर एवं किओस्क हटाये गए हैं, अभियान नवयुग मार्केट से होली चाइल्ड चौराहा, अंबेडकर मार्ग से चौधरी मोड़ होते हुए

घंटाघर की तरफ से नया बस अड्डा होते हुए साइन उपवन पर समाप्त किया गया। जिसमें लगभग 120 बैनर व 200 से अधिक कियोस्क हटाए गए। कवि नगर जोन में रात्रि 9बजे से अवैध होर्डिंग व बैनर हटाने का कार्य किया गया जिसमें 22 बड़े होर्डिंग बोर्ड , 34 छोटे बोर्ड एवं 117 कियोस्क बोर्ड हटाये गये यह अभियान कवि नगर रामलीला मैदान से आर डी सी , राज नगर , कलक्ट्र रोड व हापुड़ चुंगी चौराह तक अवैध वोर्ड हटाने की कार्यवाही की गई, इस प्रकार कवि नगर तथा सिटी के अंतर्गत लगभग 500 अवैध विज्ञापन बोर्ड हटाए गए, रोस्टर के क्रम में प्रतिदिन रात्रि में भी अवैध विज्ञापन बोर्ड हटाने की कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में रफ्तार से कार्य कर रहा है जिसके क्रम में अवैध विज्ञापन के विरुद्ध भी निगम की कार्यवाही जारी है नगर आयुक्त के निर्देश पर निगम की टीम द्वारा रात्रि में अपर नगर आयुक्त के नेतृत्व में महा अभियान चलाया गया, व्यापारी वर्ग तथा जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग निगम को मिला जो की सराहनीय है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देश पर हुई अभियंत्रण कार्यों की समीक्षा

अधिकारियों की तत्परता परखने के लिए बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देशानुसार सचिव द्वारा प्राधिकरण के अभियंत्रण अनुभाग, प्रवर्तन अनुभाग एवं मास्टर प्लान व नियोजन अनुभाग के समस्त अधिकारियों (अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मुख्य रूप से निर्देशित किया गया कि सभी अभियंत्रण जोनों द्वारा अपनी योजनाओं के अतिरिक्त अन्य इंजीनियरिंग कार्यों जैसे कि सड़क निर्माण, चौराहों व पार्कों का सौंदर्यीकरण आदि की एक वर्ष की कार्ययोजना तैयार कर 22 अप्रैल तक मुख्य अभियंता को सौंपना अनिवार्य होगा। मुख्य अभियंता द्वारा इन योजनाओं को संकलित कर उपाध्यक्ष महोदय को ब्रीफ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत विभिन्न जोनों में निजी विकासकताओं द्वारा निर्मित एलआईजी/ ईडब्ल्यूएस भवनों की स्थिति से नियोजन अनुभाग अवगत कराएगा, जिनकी स्थल मॉनिटरिंग प्रवर्तन अनुभाग द्वारा की जाएगी। इस दायरे में हाईटेक व इंटीग्रेटेड टाउनशिप भी सम्मिलित रहेंगी। जिन विकासकताओं की प्रगति धीमी पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता एलआईजी/ ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लोगों को शीघ्रता से आवास उपलब्ध कराना को प्रभावी रूप से लागू करने पर बल दिया गया। साथ ही, जिन विकासकताओं की प्राधिकरण के प्रति वित्तीय देयता अभी भी लंबित है, उनकी सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की क्रियाशीलता की जांच हेतु प्रवर्तन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, जिससे जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा दिया जा सके। यह बैठक औचक रूप में भी की गई, जिससे अधिकारियों व अन्य कर्मियों की छुट्टी के दिन भी कार्य के प्रति तत्परता एवं त्वरित प्रतिक्रिया की वास्तविकता को परखा जा सके।

जारी है निगम की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मुहिम

मोहन नगर से लेकर अप्सरा बॉर्डर तक लगाए गए 25 नए पोल

मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में भी निगम की प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग द्वारा मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में भी प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है जिसके क्रम में प्रतिदिन वार्डों में लाइटों की मरम्मत का कार्य,नई लाइटों को लगाने का कार्य, व अन्य आवश्यकता को देखते हुए कार्य कराए जा रहे हैं, प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के क्रम में भी लाइटों की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है, समय से लाइटों का चालू होना तथा बंद होना प्रबल मॉनिटरिंग के क्रम में जारी है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत जहां रूटीन में लाइटों का मरम्मत कार्य चल रहा है वहीं अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यकता को देखते हुए नई लाइट लगाने का कार्य भी गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग द्वारा किया जा रहा है माननीय महापौर तथा जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में प्राप्त शिकायतों का अविलंब निस्तारण कराया जा रहा है, इंदिरापुरम के क्षेत्र में भी आगामी दो माह के भीतर लाइट व्यवस्था को बहुत अधिक सुदृढ़ किया जाएगा जिसकी प्लानिंग चल रही है, जिसके क्रम में नए पोल, नई लाइट, तथा डिजाइनिंग और आकर्षक लिए भी लगाई जाएगी। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया कि मोहन नगर से लेकर अप्सरा बॉर्डर तक जहां पर आवश्यकता है वहां नए पोल लगाकर लाइट व्यवस्था का सुदृढ़ किया जा रहा है गैप को देखते हुए 25 पोल मांगे गए हैं जिनको लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है विशेष रूप से लाजपत नगर साहिबाबाद मुख्य मार्ग से लेकर औद्योगिक क्षेत्र के बाहर अप्सरा बॉर्डर तक लाइट व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 8 मीटर लंबे पोल लगाए जा रहे हैं जो कि जिलाधिकारी महोदय को प्राप्त हो रही शिकायतों के निस्तारण के क्रम में लगाए गए हैं।

2014 में किसानों, रालोद व भाकियू नेताओं का मुरादनगर गंग नहर पर विरोध प्रदर्शन करने का मामला

किसान नेता राकेश टिकैत, विधायक योगेश धामा व कई पूर्व विधायकों पर कोर्ट में चलेगा मुकदमा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को स्थानीय स्पेशल कोर्ट एमपी- एमएलए कोर्ट निशान्त मान की अदालत में वर्ष-2014 में किसानों, रालोद नेताओं व भाकियू नेताओं द्वारा मुरादनगर गंग नहर पर विरोध प्रदर्शन मामले की सुनवाई हुई। इस मामले के आरोपी भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, विधायक योगेश धामा, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा , पूर्व मंत्री दलवीर सिंह, पूर्व विधायक वीर पाल राठी, पूर्व विधायक भगवती प्रसाद, चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, पूर्व प्रमुख अजय पाल सहित 25 आरोपी अदालत में पेश हुए। सुनवाई में मामले में दाखिल चार्जशीट में लगाये गये आरोपों पर बहस हुई। अदालत ने बहस के बाद सभी पर आरोप तय करते हुए मामले अगली सुनवाई के लिए 30 अप्रैल की तिथि तय की। गौरतलब है कि 2014 में तत्कालीन रालोद के प्रमुख अजित सिंह की दिल्ली स्थित सरकारी कोठी खाली कराये जाने के विरोध में किसानों, रालोद नेताओं व भाकियू नेताओं का मुरादनगर गंग नहर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए नहर का पानी रोक दिया था और नहर पर कब्जा जमा लिया था। पुलिस को इन विरोध प्रदर्शन करने वालों को वहां से हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा था। इस विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस की ओर से थाना मुरादनगर में सभी प्रमुख नेताओं पर मुकदमा पंजीकृत किया था, जिसमें 36 व्यक्तियों को नामजद किया गया था। इस मामले में शुक्रवार को 25 लोग न्यायालय में हाजिर हो रहे हैं।

शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, विधायक योगेश धामा, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा , पूर्व मंत्री दलवीर सिंह, पूर्व विधायक वीर पाल राठी, पूर्व विधायक भगवती प्रसाद, चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, पूर्व प्रमुख अजय पाल सहित सभी 25 आरोपी अपने वकील चौधरी अजयवीर सिंह के साथ न्यायलय में उपस्थित हुए थे। उनके अधिवक्ता की ओर से पुलिस द्वारा लगाए गये आरोपों पर विस्तृत बहस की गई। आरोपियों का कहना था कि पुलिस ने इन राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकताओं पर झूठे आरोप लगाये गए हैं।

पुलिस इन आरोपियों के खिलाफ कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकी है। इसलिए न्यायालय द्वारा आरोपों से मुक्त किया जाए। सरकारी वकील बिशम्बर सिंह ने कहा कि मुकदमे में परीक्षण के बाद ही तय हो सकेगा कि आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य है या नहीं, इसलिए इस स्तर पर आरोप मुक्त नहीं किया जा सकता।

स्पेशल जज एमपी-एमएलए निशांत मान ने सभी लोगों पर आरोप तय कर साक्ष्य के लिए अगली तारीख 30 अप्रैल नियत की है। अब देखना होगा है कि अगली तिथि पर अदालत में इन आरोपियों के विरुद्ध क्या-क्या साक्ष्य पेश करते हैं।

एचआरआईटी यूनिवर्सिटी के वार्षिकोत्सव में गायक सुनंदा शर्मा की धुन पर झूमे छात्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में नेक्टर वार्षिक महोत्सव के दूसरे दिन का आयोजन बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंजाबी/बॉलीवुड गायिका सुनंदा शर्मा ने अपनी लाइव कॉन्सर्ट से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एचआरआईटी विश्वविद्यालय, गाज़ियाबाद में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'नेक्टर 2025' के मंच पर जब मशहूर पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा ने कदम रखा, तो समूचा परिसर तालियों और उत्साह से गूंज उठा। दीप प्रज्वलन समारोह के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें माननीय कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल, उप कुलाधिपति डॉ. अंजुल अग्रवाल, प्रबंध निदेशक डॉ. वैशाली अग्रवाल, दीपांजलि अग्रवाल, चर्चित अग्रवाल, प्रियल अग्रवाल और कुलपति डॉ. डीके शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

सुनंदा शर्मा ने अपने प्रसिद्ध गीतों जैसे 'मम्मी नू पसंद', 'उध दी फिरन', 'पटाके', और 'दूजी वार प्यार' से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके ऊजार्वान परफॉर्मेंस ने माहौल को पूरी तरह से संगीतमय बना दिया और छात्र-छात्राओं के बीच अद्भुत उत्साह देखने को मिला।

छात्रों और प्रशंसकों की एक बड़ी संख्या ने इस कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए एकत्रित हुए। सुनंदा शर्मा ने अपनी ऊजार्वान गीतों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसे छात्रों ने भी बहुत आनंद लिया।

नेक्टर वार्षिक महोत्सव के इस आयोजन से छात्रों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर मिला। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस आयोजन के लिए आयोजकों और छात्रों को बधाई दी और कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. विनोद यादव, डॉ निर्दोष अग्रवाल, डॉ नवनीत शर्मा, डॉ पूजा अरोड़ा, डॉ. शबनम जैदी, डॉ. एम के जैन, डॉ. अनिल त्यागी, गौरव उप्पल व जोगेश सक्सेना का विशेष योगदान रहा।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के समर्थन में विशाल पदयात्रा का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सामाजिक संस्था 'मानवता की ओर एक कदम' के तत्वावधान में 19 अप्रैल को 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा शाम 4 बजे शहीद भगत सिंह घंटाघर से प्रारंभ होकर चौपला से होते हुए दुर्गा भाभी चौक से निकलकर शहीद पथ नवयुग मार्केट तक संपन्न हुई। पदयात्रा समापन होने से पूर्व वक्ताओं ने अपने संबोधन के माध्यम से एक राष्ट्र एक चुनाव की अपील संदेश दिया। इस अवसर पर सामाजिक नागरिक के रूप में मुख्य वक्ता मयंक गोयल ने कहा 'यह मुद्दा किसी दल विशेष का नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक का है। अलग-अलग चुनावों से न केवल समय और धन की बबार्दी होती है, बल्कि विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। हम सभी एकजुट होकर केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि इस नीति पर शीघ्र कार्यान्वयन हो।'

इस पदयात्रा का नेतृत्व संस्था के समन्वयक सरदार एसपी सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने कहा 'यह सिर्फ एक चुनाव प्रणाली नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की सहूलियत और राष्ट्र की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' से न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि शासन की निरंतरता भी बनी रहेगी। यह देश के सुनहरे भविष्य की ओर एक सार्थक प्रयास है।'

पदयात्रा में गाजियाबाद के प्रमुख चेहरों सहित अनेक सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और NGO प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शहर के मुख्य बाजार से पदयात्रा गुजरने के दौरान बाजार में व्यापारियों एवं नागरिकों ने मयंक गोयल और सरदार एसपी सिंह सहित सभी पदयात्रा में शामिल लोगों का स्वागत अभिनंदन करते हुए अपना भरपूर समर्थन दिया। मयंक गोयल अध्यक्ष के रूप में शहर के मुख्य बाजार में प्रथम आगमन पर व्यापारियों ने आतिशबाजी कर पुष्पवर्षा से शानदार स्वागत अभिनंदन किया।

वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में पदयात्रा के दौरान मयंक गोयल, सरदार एसपी सिंह, सुरेन्द्र नागर,पार्षद राजीव शर्मा, राजीव अग्रवाल, प्रदीप चौधरी, अशोक भारतीय, विनीत शर्मा, प्रीति चंद्रा, साक्षी नारंग, नीरज त्यागी, शैली सेठी, सिमरन रंधावा, राम त्यागी, पुष्पेंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद अरुण जैन, अरुण मित्तल, विनय सिंघल, विनीत शर्मा युवा, नागेंद्र चौहान, आलोक त्यागी, बबीता त्यागी, विनीता पाल, दीपक त्यागी सुमित शर्मा राहुल त्यागी सुनील शर्मा लामिश पांडे अनुज त्यागी, संजीव जांगिड़, हरेंद्र चौधरी, विक्रम सैनी, अजय चौधरी, संजय शर्मा, तनुज गंभीर, उदयन गर्ग, कृष्ण त्यागी, राजीव डागर, पंकज लड्डू जितेंद्र महाना , दिव्यांश भटनागर आदि शामिल रहे।

मयंक गोयल के नेतृत्व में गूंज पड़ा भाजपा का 'गांव चलो, वार्ड चलो' अभियान

अभियान के माध्यम से किया गया योगी सरकार की 8 वर्षो की उपलब्धियों को साझा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'गांव चलो, वार्ड चलो' अभियान ने महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में गति के साथ कार्य को अंजाम मिला है। जनप्रतिनिधियों, महानगर पदाधिकारियों, भाजपा नेता, मंडल एवं वार्ड स्तर के संगठन पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने मिलकर इस अभियान को गांव-गांव, वार्ड-वार्ड पहुंचाने में पूरी ताकत झोंक दी। जनसंपर्क में जोश और ऊर्जा का स्पष्ट आभास कार्यकर्ताओं में ही नहीं आम जन मानस में भी मिला है।

देहात क्षेत्र के मंडल, शहर क्षेत्र के मंडल सभी में लगाए गए अभियान प्रमुख प्रभारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार के 8 साल बेमिसाल के पत्रक घर घर बांटकर संगठन के अपेक्षित सभी कार्यों को बखूबी अंजाम दिया। मुरादनगर देहात मंडल के सैंतली गांव में विधायक अजीत पाल त्यागी ने प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के गौरवशाली 8 वर्षों के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों को ग्रामीणों के समक्ष साझा किया और बताया कि कैसे डबल इंजन की सरकार ने हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य किया है। अभियान के अंतर्गत घर-घर संपर्क, मंदिरों एवं महापुरुषों की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान, चौपालों का आयोजन, लाभार्थियों से संवाद, बूथ समितियों व वरिष्ठ कार्यकताओं से मुलाकात कर उन्हें सम्मान पटका पहनाकर सम्मानित किया जा रहा है।

साथ ही '8 साल डबल इंजन की बेमिसाल सरकार' विषयक पत्रक के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जा रही है।

अभियान के माध्यम से गांवों व वार्डों में प्रदेश सरकार की योजनाओं से मिले लाभ की फील गुड भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। कार्यकताओं में भी जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा का संचार हो रहा है, जो आने वाले समय में संगठन को और मजबूत बनाएगा।

मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया प्रदेश की रिपोर्टिंग के अनुसार गाजियाबाद संगठन के कार्यकताओं की तल्लीनता और समर्पण ने महानगर स्तर पर किए गए कार्यों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। जिसका श्रेय महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित सभी जनप्रतिनिधियों , नेताओं, समर्पित कार्यकताओं को जाता है।

गरीब कन्याओं का विवाह कराना सबसे बड़ा पुण्य का काम : नरेंद्र कश्यप

श्रीनाथ होटल एंड बैंक्विट में आयोजित किया गया सामूहिक विवाह समारोह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कविनगर महिला मंडल के द्वारा सामाजिक समरसता को बढ़ाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं की जिंदगी को संवारने के लिए शुक्रवार को श्रीनाथ बैंक्विट हॉल गाजियाबाद में निशुल्क विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवतियों की शादी कराई गई। जिसमें कोई दहेज नहीं लिया गया।

साथ ही उनके जीवन गुजारने के लिए उन्हें उपहार ,सम्मान और सामान दिया गया। साथ ही सभी विवाह कार्यक्रम में आए अतिथियों को भोजन भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और मंत्री प्रतिनिधि सौरभ जयसवाल बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। सभी ने वर वधु को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कन्याओं का निशुल्क विवाह कराना उनकी तमाम व्यवस्था और तैयारी करने में मुख्य रूप से कवि नगर महिला मंडल की प्रोग्राम चेयरपर्सन रुचि बिंदल, अंजू अग्रवाल, अनामिका अग्रवाल, अंजू सोनी, सीमाक्षी जायसवाल पूनम तायल व झरना गर्ग एवं समस्त कवि नगर महिला मंडल गाजियाबाद का महत्वपूर्ण सहयोग और योगदान रहा।

बिना दहेज के किए गए विवाह

कवि नगर महिला मंडल द्वारा आयोजित निशुल्क और गरीब वर्ग के लिए आयोजित कन्या विवाह का सबसे खास बात यह थी कि बिना दहेज के विवाह किए गए। सभी जोड़ों को उपहार ,वस्त्र ,जरूरत का सामान भी निशुल्क वितरित किया गया है। भोजन एवं परिवार से संबंधित वस्तुओं की व्यवस्था आयोजको के द्वारा की गई थी। जिसमें सभी धर्म और सभी जातियों को खुला निमंत्रण था। इस कार्य में कवि नगर महिला मंडल की महिलाओं के साथ ही समाज के अन्य वर्ग के लोगों ने भी सहयोग किया है।

निशुल्क विवाह कराकर समाज सेवा का संदेश दिया

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री और कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि युवतियों का निशुल्क विवाह कराना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। उन्होंने कहा कि कवि नगर महिला मंडल द्वारा यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। गरीब आय वर्ग की कन्याओं का निशुल्क और बिना दहेज वाला विवाह कराकर एक सामाजिक संदेश देने का काम किया गया है। तो वही समाज के अन्य लोगों को भी इस और कदम उठाना चाहिए।

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने किया पुतला दहन

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल व सचिन डेढ़ा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के निदेशार्नुसार भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन नवयुग मार्केट स्थित शहीद मार्ग पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की अगुवाई भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने की। इस मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा, 'नेशनल हेराल्ड घोटाला देश की जनता के साथ किया गया एक बड़ा धोखा है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को इस घोटाले में जवाब देना होगा। भाजपा कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क से संसद तक आवाज उठाते रहेंगे।

युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी ने सालों तक देश को लूटा है। नेशनल हेराल्ड घोटाले में दोषियों को सजा दिलाने के लिए युवा मोर्चा सड़कों पर संघर्ष करता रहेगा। हम जनता को जागरूक करने का काम करते रहेंगे। पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन डेढ़ा, पूर्व पार्षद प्रदीप चौहान, युवा मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय महामंत्री अनुज कश्यप, आशुतोष शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष राम त्यागी, मोनू त्यागी, आशीष चौधरी, महानगर महामंत्री नितिन शर्मा, महानगर मंत्री दीपक शर्मा, रोबिन तोमर, पुष्पेंद्र गुप्ता, पंकज लड्डू, अनुज कसाना, कपिल मावी, रॉबिन भड़ाना, सोनू चौधरी, आशु गुर्जर सूरत सेन विपिन यादव मोहित ठाकुर राहुल भाटी एवं पंकज भारद्वाज, अभिजीत मुखर्जी, अनुज राघव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और न्याय की मांग की।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट की दरबार में वक्फ

सर्वोच्च अदालत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर 'अंतरिम आदेश' जारी करने के मूड में है, लेकिन कानून पर फिलहाल रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भडकती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंततः उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था। कई मस्जिदें 13वीं-14वीं सदी की हैं। आप ऐसे 'वक्फ बाय यूजर' को कैसे रजिस्टर करेंगे? वे दस्तावेज कहां से दिखाएंगे? यह असंभव है। यदि वक्फ बाय यूजर की संपत्ति को 'डी-नोटिफाई' किया जाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। न्यायिक पीठ का तीन मुद्दों पर मूड स्पष्ट दिखाई दिया। एक, अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति 'डी-नोटिफाई' नहीं होगी। वह वक्फ बाय यूजर हो अथवा वक्फ बाय डीड हो। दूसरा, कलेक्टर वक्फ संपत्ति का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन वक्फ की संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास ही रहेगी। उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते। अदालत को सूचित करेंगे। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सभी सदस्य मुस्लिम होने चाहिए, सिवाय पदेन सदस्यों के। वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों को लेकर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खन्ना और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी बहस भी हुई। न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या सरकार हिंदू धार्मिक बोर्ड या मंदिरों के प्रबंधन में किसी मुसलमान को शामिल करेगी? यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल ने न्यायिक पीठ के तीनों न्यायाधीशों के धर्म (हिंदू) पर सवाल उठाया। प्रधान न्यायाधीश ने जवाब दिया-'जब हम इस सीट पर बैठते हैं, तो हमारी व्यक्तिगत पहचान मायने नहीं रखती। कानून के सामने सभी पक्ष एकसमान हैं।' अब यदि सर्वोच्च अदालत कोई अंतरिम आदेश जारी करती है, तो उसमें कुछ निर्देश सरकारी कानून के खिलाफ भी हो सकते हैं। मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल बार-बार अनुच्छेद 26 और 20 करोड़ लोगों की आस्था और उनके धार्मिक प्रबंधन के अधिकार का मुद्दा उठा रहे थे, तो प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा कि अनुच्छेद 26 सार्वभौमिक और धर्मनिरपेक्ष है। यह विधायिका को कानून बनाने से नहीं रोकता। यह सभी समुदायों पर लागू होता है। संसद ने हिंदुओं के संदर्भ में भी कानून बनाए हैं। न्यायमूर्ति ने सिब्बल को धार्मिक बातें कहने से रोका। सिब्बल ने ही 'अंतरिम आदेश' की मांग की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कानून पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने उसे भी खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि जामा मस्जिद सरीखी स्मारक इमारतें यथावत रहेंगी। उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जस्टिस खन्ना ने वक्फ संशोधन कानून की धारा 2-ए के प्रावधान पर चिंता जताई। इतना तो स्पष्ट लगता है कि न्यायिक पीठ वक्फ कानून को खारिज नहीं करेगी और रोक लगाने के भी आसार नगण्य हैं, लेकिन ऐसे कुछ सुधार करवा सकती है, जो संविधान के मद्देनजर न्यायोचित नहीं हैं।

स्कूलों की मनमानी और छात्रों के साथ होता गुलामों जैसा व्यवहार!

स्कूलों की मनमानी और छात्रों के साथ होता गुलामों जैसा व्यवहार! देश में शिक्षा के व्यवसायीकरण के बढ़ते दायरे का विद्रूप कई बार बेहद अफसोसनाक तस्वीर सामने कर देता है। निजी विद्यालयों में मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि वे विद्यार्थियों को केवल कमाई का जरिया समझने लगे हैं। ऐसा लगता है कि मुनाफाखोरी में लगे ये विद्यालय इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं करते कि महंगाई के इस दौर में बच्चों को किसी तरह पाल रहे कुछ माता-पिता कैसे अतिरिक्त शुल्क का बोझ सहेंगे। हालांकि इनमें ज्यादातर शुल्कों का कोई मजबूत आधार नहीं होता है, लेकिन संबंधित सरकारी महकमे अपनी आंखें मूंद कर एक तरह से इसकी अनुमति ही देते हैं। नतीजतन मनमानी बढ़ती जाती है। तकलीफदेह यह है कि शुल्क वसूलने के क्रम में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई बार ऐसे तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, जो न केवल नियमों के विरुद्ध होते हैं, बल्कि उसके लिए मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया जाता है। गौरतलब है कि देश की राजधानी के द्वारका इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर कुछ बच्चों को पुस्तकालय में बंद कर दिया गया और उन्हें कक्षाओं में जाने से भी रोक दिया गया। इस तरह के अमानवीय व्यवहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सही ही स्कूल प्रबंधन को फटकार लगाई और कहा कि छात्रों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार करने वाले ऐसे स्कूल बंद करने लायक हैं। जबकि किसी भी वजह से स्कूलों में बच्चों को कोई भी शारीरिक दंड देने पर सख्त मनाही है और समय-समय पर अदालतें भी इसके खिलाफ निर्देश जारी करती रही हैं। किसी भी तरह के भेदभाव और सार्वजनिक प्रताड़ना से बच्चों को कोमल मन-मस्तिष्क को ठेस पहुंचती है और इससे लगे सदमे का असर लंबे समय तक बना रह सकता है। यह बाल अधिकारों का भी हनन है। दूसरी ओर माता-पिता स्वयं को अपमानित और प्रताड़ित महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों का उत्पीड़न रोकने के लिए सुरक्षा उपाय होने चाहिए। मनमाने तरीके से शुल्क वसूलने के लिए विद्यालय द्वारा किसी भी तरह का भेदभाव हर हाल में अनुचित है। बच्चों को वस्तु समझ कर बर्ताव करने वाले स्कूलों पर सख्ती से लगाम लगाने की जरूरत है।

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमजोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा।

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता

आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।

एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चचाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है।

भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा।

तमिल में भाजपा के पांव जमते हुए दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा की सोच में बदलाव आना, तमिलों की बारीकियों एवं भावनाओं को समझते हुए राजनीतिक दांव चलना। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का भले ही संस्थागत इतिहास नहीं है, लेकिन राज्य के विकास में उसने गहरे.संसाधन लगाये हैं। वह एक नया वोट-आधार तैयार कर रही है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 15

गतांक से आगे .....

वास्तविक यज्ञ वेदी

एक समय भगवान् राम ने महर्षि वशिष्ठ से कहा-''महाराज !संसार में वास्तविक यज्ञ वेदी क्या है?'' उन्होंने कहा कि ''संसार में वास्तविक यज्ञ वेदी तो यज्ञ करना है। भौतिक यज्ञ करना है,उसके पश्चात् आत्मिक यज्ञ करना है। यज्ञ वेदी को अपनाना हमारा कर्त्तव्य है। हे राम। आज तुम्हें यज्ञ वेदी को अपना कर चलना है। तुम्हें अपने में सदाचार को अपनाना है,और संसार को सदाचारी बना देना है। 'अहिंसा परमो धर्मः' की वेदी पर आ जाना है। जहाँ हिंसक व्यक्ति कोई न हो। इससे तुम्हारे राष्ट्र का कल्याण होगा, तुम्हारी यज्ञ वेदी की रक्षा होगी, तुम्हारी माता की रक्षा होगी,तुम्हारी संस्कृति की रक्षा होगी।'' प्रवचन सन्दर्भ 8-11-1963

कर्मों की गति

जब भगवान् राम महर्षि वशिष्ठ के चरणों में ओतप्रोत होते थे,तो वे ब्रह्मज्ञान की चर्चा करते थे,राष्ट्र को ऊँचा बनाने की चर्चा करते थे। वे यह कहा करते थे कि ''प्रभु! संसार ऊँचा बनना चाहिये,मानव का व्यापक कर्म,मानव को धर्म में ले जाना है और संकीर्ण कर्म मानव को पाप में ले जाता है।'' एक समय कर्मों के ऊपर विचार-विनिमय हो रहा था। भगवान् राम कहते हैं कि ''प्रभु! मैं यह जानना चाहता हूँ कि मानव जड़वत स्थिति को भी प्राप्त रहता है अथवा नहीं?'' ऋषि वशिष्ठ कहते हैं,''हे राम! मानव तो जड़वत स्थिति को सदैव प्राप्त होता रहता है,क्योंकि जितने प्रकृति

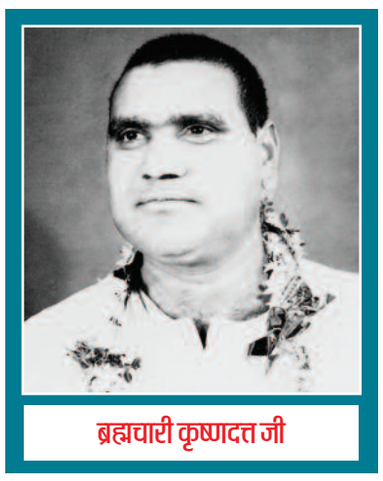

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

के गुण इसमें प्रवेश कर जाते हैं, उतना मानव जड़ता को प्राप्त होता रहता है,जड़ता आती रहती है, जितने चैतन्यता के गुण इसमें प्रवेश कर जाते हैं,परमात्मा के गुण प्रवेश कर जाते हैं,उतनी ही चैतन्यता प्राप्त होती रहती है,वह मोक्ष के मार्ग को जाता रहता है।'' यह विचार-विनिमय हो रहा था,इतने में ही उनके आश्रम में एक कीड़ा क्रीडा करने लगा,तो ऋषि से भगवान्-राम कहते हैं कि 'हे ऋषिवर! मेरे पूज्यपाद गुरुदेव! मैं यह जानना चाहता हूँ, यह जो कीड़ा आश्रम में क्रीड़ा कर रहा है, इसने कौन सा ऐसा कर्म किया है? ''उन्होंने कहा,''हे राम! जब से सृष्टि का प्रादुर्भाव हुआ है, सृष्टि का निर्माण हुआ है यह कीड़ा तीन समय इन्द्र की उपाधि को प्राप्त कर चुका है, परन्तु उसके पश्चात् भी यह आज कीड़ा है। कर्म का जो चक्र है वह इतना विचित्र है।'' उन्होंने कहा, ''प्रभु! इसने कौन सा ऐसा कर्म किया? '' उन्होंने बताया ''१०१ अश्वमेध याग करने वाला इन्द्र बनता है। वह राजाओं का अधिराज बनता है। परन्तु राजा बन जाने के पश्चात् उसके अपने जीवन की जो धाराएं हैं,तरंगे हैं,उन तरंगों को जो महान् नहीं बना पाते। राष्ट्रीय क्षेत्र में संलग्न हो करके वह निम्न श्रेणी को प्राप्त होते हैं। जब यह उदान अपनी आत्मा को, कर्म के क्षेत्र को ले करके चलता है तो उस समय वह जो सक्रीर्णता है, वे अव्यापक जो कर्म हैं उसके साथ रहते हैं। उनके आधार पर निम्नता को प्राप्त होता हुआ,वह आगे चल करके और भी निम्न बन जाते हैं।

परिणाम यह होता है कि वे कीड़े बन जाते हैं, दो मुखी बन जाते हैं और अपने-अपने आंगन में क्रीडा करते रहते हैं। परिणाम यह होता है कि इन्द्र की उपाधि इनकी समाप्त हो जाती है। यदि वे इन्द्र के जीवन में अपने जीवन को यागमय बनाते रहे, याग करते रहे, तो उनकी इन्द्र की उपाधि निम्नता को न प्राप्त होकर ऊर्ध्वागति को प्राप्त हो जाती है, क्योंकि यागमय हमारा जीवन होना चाहिए।'' जब उन्होंने ऐसा कहा तो राम मौन हो गये।18-041977 क्रमशः .....

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी

सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था। सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़काते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतो में नक्सलवादियों की तूती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मगर अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में विहिप का देशव्यापी प्रदर्शन, राष्ट्रपति शासन की मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने शनिवार (19 अप्रैल 2025) को दिल्ली के नांगलोई जिला में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन सौंपा। जिसमें पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनके उत्पीड़न की घटनाओं के कारण राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई। विहिप अंतरराष्ट्रीय महामंत्री माननीय बजरंग बांगड़ा जी ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर कहा कि बंगाल, जो कभी स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद की भूमि रही है, वहां हिंदुओं की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। उन्होंने बंगाल के इतिहास की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल को बांटने की योजना बनाई थी, जिसे उस समय सभी ने मिलकर विफल किया था। दुर्भाग्य से 1947 में देश की आजादी के समय विभाजन हुआ और उस समय दंगे, हत्याएं, बलात्कार जैसी घटनाएं घटित हुईं।

बजरंग बांगड़ा जी ने कहा कि हिंदू समाज ने विभाजन को धर्म के आधार पर स्वीकार किया, जिसके चलते मुसलमानों को अपना अलग देश मिला। लेकिन विभाजन के बाद भी हिंदू समाज ने अल्पसंख्यकों के प्रति कभी भी घृणा नहीं रखी और उन्हें शांतिपूर्ण जीवन यापन का अधिकार दिया।

इसके विपरीत, जहां भी हिंदू समाज अल्पसंख्यक है, चाहे वह पश्चिम बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो, किशनगंज हो, या बांग्लादेश हो, वहां उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ, तो बाबा साहेब अंबेडकर की बात के अनुसार मुसलमानों को अपने मुस्लिम राष्ट्र चले जाना चाहिए था।

बजरंग बांगड़ा जी ने आगे कहा कि बंगाल में जो भी हो रहा है, वह सिर्फ वक्फ का बहाना है। यह कानून मुसलमानों की सामाजिक कल्याण के प्रबंधन का है, लेकिन इसका उपयोग हिंदुओं पर अत्याचार करने के लिए किया जा रहा है। बंगाल में घर जलाए गए, दुकाने लूटी गईं, मवेशी छीन लिए गए, और बहु-बेटियों की इज्जत को खतरे में डाला गया है। राज्य सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है, और इसके किसी मंत्री या मुख्यमंत्री ने अब तक पीड़ित परिवारों से मुलाकात नहीं की है। वहां के पीड़ित परिवारों को अपनी जान बचाने के लिए पलायन करना पड़ा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के संरक्षण में यह प्रायोजित हिंसा हो रही है। जब मानवाधिकार आयोग और महिला आयोग वहां पहुंचा, तो उनकी एंट्री बंद कर दी गई और पुलिस के घेरे में हिंदुओं को नजरबंद किया गया ताकि वे आयोगों के सामने अपनी बात न रख सकें। बजरंग बांगड़ा जी ने कहा कि हिंदू समाज को सुरक्षित रखने के लिए राष्ट्रपति शासन ही एकमात्र उपाय है, क्योंकि राज्य सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण कानून व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थ है।

शिमला: हिमाचल की राजधानी शिमला में विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन के नेतृत्व में राज्य के राज्यपाल जी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

मथुरा: यूपी में भगवान श्री कृष्ण जी की जन्मस्थली मथुरा में हुए प्रदर्शन में विहिप के केंद्रीय सह संगठन महा मंत्री श्री विनायक राव देशपांडे ने प्रदर्शकारियों का नेतृत्व करते हुए जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया गया।

नोएडा: पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल नोएडा महानगर ने राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल के मार्गदर्शन में नोएडा के सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा. विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने मांग की कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पश्चिम बंगाल की वर्तमान भयावह स्थिति का शीघ्र संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी चाहिए क्योंकि वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर मूकदर्शक बनी हुई हैं, संवैधानिक पद पर रहते हुए एक पक्ष की सहायक बनी हुई हैं और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं जिसके कारण राज्य के लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पूर्णतया खराब हो चुकी है।

इस विरोध प्रदर्शन में सेंकड़ों की संख्या में कार्यकताओं ने एक आवाज में जय श्री राम के जय घोष के साथ पश्चिम बंगाल सरकार के विरुद्ध निम्न नारे लगा कर अपना रोष प्रकट किया,

'हिंदुओं की ये हुंकार
नहीं सहेंगे अत्याचार'
'हिंदू विरोधी ममता सरकार नहीं
चलेगी नहीं चलेगी'
'बंद करो बंद करो
हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो।'
'ममता बनर्जी होश में आओ
हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो।'
'हिंदुओं का यह अपमान-
नहीं सहेगा हिंदुस्तान।'

विश्व हिंदू परिषद ने देश भर में सैकड़ों स्थानों पर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को राष्ट्रपति महोदया तक पहुंचाने का प्रयास किया है। विहिप का मानना है कि हिंदुओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए और कानून व्यवस्था को बहाल किया जाए।

ज्ञापन में कहा गया कि ..

1. ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को बंगाल में ध्वस्त कर अपनी सरकार और वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती हैं।
2. बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को निर्बाध रूप से आने दिया जा रहा है। उनके आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। पाकिस्तान व बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की सक्रियता बढ़ रही है।
3. हिंदुओं के प्रति हिंसा बढ़ रही है और न्यायालय के आदेश पर ही हिंदू त्योहारों को मनाने की अनुमति मिल पाती है। उनको सुरक्षा देने वाले अर्ध सैनिक वालों को निशाना बनाया जाता है।
4. हिंदू का अस्तित्व खतरे में पड़ चुका है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। तृणमूल के असामाजिक तत्वों व गुंडो के नियंत्रण व निर्देशन पर ही शासन काम करने के लिए विवश है।

आज यह हिंसा मुर्शिदाबाद से निकलकर संपूर्ण बंगाल में फैलती जा रही है। अब यह बंगाल तक ही सीमित नहीं रहेगी। इसलिए देश की जनता यह मांग करती है कि;

1. बंगाल में अबिलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।
2. बंगाल की हिंसा की जांच NIA के द्वारा कराई जाए और दोषियों को अबिलंब दंडित किया जाए।
3. बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथ में दिया जाए।
4. बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनको देश से निष्कासित किया जाए तथा बंगाल से सटी बांग्लादेश की 450 किलोमीटर की सीमा पर कंटीले तार लगाने का काम अबिलंब प्रारंभ किया जाए, जिसे, ममता सरकार ने रोका हुआ है।

ज्ञापन में विश्वास व्यक्त किया गया है कि राष्ट्र की सार्वभौमिकता व सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए आप अबिलंब कार्यवाही करेंगे

शोध, इनोवेशन और क्वालिटी एजुकेशन को मिलेगा बढ़ावा : डॉ. सुधीर गिरी

वेंकेटेश्वरा का यू.के. की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी 'हार्पर एडम्स' के साथ एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग, हैल्थ केयर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए भारत में 'संयुक्त परिसर' (ज्वाइंट कैम्पस) स्थापित करने पर बनी सहमति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय समूह और यूनाइटेड किंगडम की हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी देश में जल्द ही ज्वाइंट कैम्पस की स्थापना करेंगे। इसके तहत दिल्ली स्थित होटल ताज मानसिंह में विशेष संयुक्त परिसर स्थापना सेरेमनी का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर वेंकेटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, वाइस चांसलर प्रो. कृष्णकांत दवे, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, सीईओ अजय श्रीवास्तव, और हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और सीईओ प्रो. केन स्लोएन मौजूद रहे। समारोह की शुरूआत परंपरागत भारतीय रीति से की गई, जहां वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने प्रो. केन स्लोएन को भारत का राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभय भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों को संस्थान की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई।

वैश्विक मानकों पर मिलेगी शिक्षा

डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि वेंकेटेश्वरा संस्थान अपने छात्रों को वैश्विक मानकों पर आधारित शिक्षा देने को प्रतिबद्ध है। हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी के साथ यह साझेदारी एक ऐतिहासिक पहल है जो हमारे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शोध के अवसर और वैश्विक करियर के लिए तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त परिसर न केवल भारतीय छात्रों बल्कि विदेशी छात्रों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने जानकारी दी कि सहमति पत्र के आदान-प्रदान के बाद कुछ कानूनी औपचारिकताओं के पूरा होते ही वेंकेटेश्वरा परिसर में हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी के सहयोग से संयुक्त विदेशी परिसर की स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस ऐतिहासिक मौके पर कुलसचिव प्रो। पीयूष पांडेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. प्रताप, बालाजी मयप्पन, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

मेरठ- गजरौला में खुलेगा परिसर

इस सहमति के तहत वेंकेटेश्वरा समूह के मेरठ और गजरौला परिसरों में हार्पर एडम्स यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस ज्वाइंट कैम्पस में प्रमुख रूप से एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ केयर और मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे विषयों में विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान प्रो. केन स्लोएन ने कहा कि भारत विश्व में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे तेजी से उभरता हुआ देश है। यहां की प्रतिभा, संसाधन और ऊर्जा देखकर अब ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों की यूनिवर्सिटी भारत में अपने परिसरों की स्थापना के लिए उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हम वेंकेटेश्वरा जैसे प्रतिबद्ध शैक्षणिक समूह के साथ मिलकर भारत में शिक्षा का एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह समझौता केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शोध, नवाचार और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए दो देशों के बीच गहरा शैक्षणिक संबंध स्थापित करेगा।

अहिल्याबाई होलकर भारतीयता की प्रतीक थी : डॉ.सौरभ मालवीय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कानपुर। शिक्षा का क्षेत्र ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माध्यम होता है। उसमें साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। साहित्य ही ज्ञान को संरक्षित करता है। संस्कारयुक्त शिक्षा हमारा उद्देश्य है। विद्या भारती अनेक वर्षों से समाज में भारतीयता पूर्ण शिक्षा एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़े रहने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है।

उक्त बातें विद्या भारती के क्षेत्रीय मंत्री डॉ.सौरभ मालवीय ने भारतीय शिक्षा समिति कानपुर प्रांत द्वारा प्रकाशित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर विशेषांक के विमोचन करते हुए कही। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दामोदर नगर कानपुर में भारतीय शिक्षा समिति कानपुर प्रांत द्वारा तीन दिवसीय प्रधानाचार्य समीक्षा एवं कार्य योजना बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी संकुल से प्रधानाचार्य

ने सहभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री भवानी जी प्रांत संघ चालक , डॉ. सौरभ मालवीय क्षेत्रीय मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश, श्री रजनीश जी प्रांत संगठन मंत्री कानपुर प्रांत ने दीप प्रज्ज्वलित किया। डॉक्टर सौरभ मालवीय, भवानी जी प्रांत संघ चालक जी ने श्री रजनीश जी ने अनुभव पत्रिका का विमोचन संकुल प्रमुख व प्रांत प्रमुख श्री रामकृष्ण बाजपेई जी के साथ किया इसके बाद मा सौरभ मालवीय जी ने कानपुर प्रांत की बेवसाइट का लोकार्पण किया इसके बाद डॉ.मालवीय ने कहा कि हम योजना बनाकर कार्य करते हैं हमारी प्रमुख भूमिका विद्यालय को श्रेष्ठ बनाना है विद्यालय जीवंत है इसके हम प्रेरक हैं तब विद्यालय समाज केंद्रित होता है। छात्रों के सर्वांगीड़ और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए बहुत सारे कार्यक्रम और गतिविधियों की योजना भी हम विद्यालय स्तर पर करते है।

भवानी जी ने कहा कि हम राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का कार्य करते हैं अतः हमको अपने कार्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करना चाहिए इस कार्यक्रम में मा ,डॉक्टर राकेश निरंजन जी अध्यक्ष, श्री अयोध्या प्रसाद जी मिश्र प्रदेश निरीक्षक, श्री आर के सिंह जी सह मंत्री जी श्री अजय जी ,श्री शिवकरण जी संभाग निरीक्षक श्री शिव सिंह जी सेवा प्रमुख,विद्यालय के प्रबंधक श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी तथा समस्त प्रधानाचार्य बंधु एवं भगिनी उपस्थित रहे।

स्वामी ओमानन्द महाराज ने किया स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय में गुरुदेव की प्रतिमा लगाने हेतु भूमि का निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुजफ्फरनगर। भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज ने स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय में गुरुदेव की प्रतिमा लगाने हेतु भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वीतराग संत का जीवन निष्काम सेवा को प्रेरित करता है। पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज जिला चिकित्सालय पधारे, जहाँ सीएमओ डॉ सुनील तेवतिया और सीएमएस डॉ संजय वर्मा ने उनका स्वागत किया। स्वामी जी ने अस्पताल परिसर का भ्रमण किया और वीतराग स्वामी

कल्याणदेव महाराज की प्रतिमा लगाने को भूमि चिह्नित कर सुझाव दिया। पीठाधीश्वर ने कहा कि जिला चिकित्सालय का नामकरण गुरुदेव स्वामी कल्याणदेव को समर्पित है। चिकित्सालय परिसर में मुख्य स्थान पर लघु पार्क विकसित कर शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक की प्रतिमा लगाई जाये। शिक्षा ऋषि विरले संत थे, उनकी मूर्ति स्थापित होगी तो असहाय, जरूरतमंद, गरीबों की सेवा की प्रेरणा मिलेगी। सीएमओ डॉ तेवतिया ने कहा कि प्रतिमा स्थापना को प्रदेश के चिकित्सा महानिदेशक को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। शासन स्तर पर पत्रावलियां भेजी गई है। अनुमति मिलते ही पद्मश्री, पद्मभूषण वीतराग स्वामी कल्याणदेव महाराज की प्रतिमा लगायी जाएगी। सीएमओ ने बताया कि शुकतीर्थ के साधु-संतों, श्रद्धालुओ के उपचार हेतु श्री शुकदेव आश्रम में संचालित धर्मार्थ चिकित्सालय में सीएचसी मोरना के डॉक्टरों की ड्यूटी लगा दी गई है। ट्रस्टी ओमदत्त देव, आचार्य अरुण, दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सुरेश खन्ना ने किया मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

निदेशक वी.के. शुक्ल द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं प्रशिक्षण की महत्ता पर डाला गया प्रकाश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

शाहजहांपुर। गन्ना किसानों की आय में वृद्धि और कृषि पद्धतियों में तकनीकी सुधार के उद्देश्य से शुरू किए गए मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना द्वारा उदघाटन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा मास्टर ट्रेनर को सुझाव दिया गया कि विषय-विशेषज्ञों द्वारा बतायी गई जानकारी को आत्मसात करें एवं अधिक से अधिक कृषकों को प्रशिक्षित करें जिससे प्रदेश की उत्पादकता में वृद्धि हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर निदेशक गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर वीके शुक्ल ने मंत्री सुरेश खन्ना का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता और इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के कृषकों तक आधुनिक गन्ना खेती की वैज्ञानिक विधियों और उन्नत तकनीकों को पहुंचाना है।

इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में राज्य भर से चयनित कुल 1520 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह मास्टर ट्रेनर्स आगे चलकर न्याय पंचायत स्तर पर कृषकों को प्रशिक्षण देंगे, जिससे गन्ना किसानों की उपज क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से कम समय में अधिक से अधिक किसानों तक उन्नत खेती की जानकारी पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनपद शाहजहांपुर की गन्ना विकास परिषद रोजा, पुवायां, तिलहर एवं निगोही के कुल 45 गन्ना पर्यवेक्षक, चीनी मिल के गन्ना विकास से जुड़े कार्मिक एवं प्रगतिशील किसान मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मंत्री सुरेश खन्ना ने गन्ना शोध परिषद द्वारा 1.50 लाख कुंतल ब्रीडर सीड के उत्पादन एवं वितरण के लिए निदेशक वीके शुक्ला एवं उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन में नई ऊंचाइयों को छुएगा और किसान आत्मनिर्भर बनेंगे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने एकमत से संकल्प लिया कि इस प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से किसानों तक सर्वोत्तम तकनीक एवं जानकारी पहुंचाई जाएगी, जिससे प्रदेश में गन्ना उत्पादकता के साथ-साथ किसानों की आय में भी अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

उद्घाटन अवसर पर उपगन्ना आयुक्त बरेली, जिला गन्ना अधिकारी शाहजहांपुर, सहायक निदेशक डा.पीके कपिल, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एनपी गुप्ता, सहायक चीनी आयुक्त शाहजहांपुर, प्रगतिशील कृषक कौशल मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप यादव, चीनी मिलों के महाप्रबन्धक एवं गन्ना शोध के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. संजीव पाठक द्वारा किया गया।

विकास की रोशनी से रोशन हो रहा श्रीराम का प्रिय चित्रकूट

काशी, अयोध्या के बाद धर्मस्थल के रूप में बढ़ा चित्रकूट का क्रेज

तीर्थ विकास परिषद

- चित्रकूट के समग्र विकास के लिए चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद का हो चुका है गठन
- पर्यटकों के लिए सुविधाओं को और बेहतर करने पर जुटी योगी सरकार
- पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए 50 करोड़ की मंजूरी
- चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस वे, राम वनगमन मार्ग, सतना ग्रीनफील्ड हाइवे से और बेहतर हो जाएगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। कभी दस्यु गिरोहों के लिए बदनाम रहा चित्रकूट अब विकास की रोशनी से रौशन हो रहा है। यह वही चित्रकूट है जहां कभी ददुआ, ठोकिया, राधे, बबली कोल, गौरी यादव, साधना पटेल और गोप्पा जैसे दस्यु गिरोहों का समानांतर शासन चलता था। लोगों में हरदम इन दस्युओं को लेकर दहशत का माहौल था। यहां तक कि ये राजनीति को प्रभावित करने की स्थित में थे। लेकिन सीएम योगी के शासन काल में अब यह सब बीते दिनों की बात हो गई है।

वनवास के दौरान भगवान श्री राम ने पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण सहित जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय बिताया था। जो चित्रकूट उनको अयोध्या से भी अच्छा लगने लगा था (अवध सहस सम बनु प्रिय लागा)। उन्होंने यहीं कोल, किरात आदि को खुद से जोड़कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इसी चित्रकूट में भरत के साथ हुआ उनका मिलन भाई-भाई के प्रेम की मिसाल बन गया। उसी चित्रकूट में वह ऋषियों और मुनियों के संपर्क में आए। कुल मिलाकर राम,लक्ष्मण और सीता के लिए चित्रकूट प्रवास का अहसास जंगल में मंगल जैसा रहा। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निजी रुचि और प्रयासों के नाते चित्रकूट एक बार फिर वैसा ही अहसास करा रहा है।

उल्लेखनीय है कि काशी और अयोध्या के बाद चित्रकूट में धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ा है। महाकुंभ के पहले यहां बाहर से प्रति दिन औसतन 2500 वाहन आते थे। महाकुंभ के दौरान इनकी संख्या बढ़कर 7000 के करीब हो गई। सप्ताह के अंत या छुट्टियों के दौरान करीब 14000 हजार वाहन आए। यह धर्म स्थल के रूप में चित्रकूट के बढ़ते क्रेज का प्रमाण है। इस क्रेज को ट्रिपल पी मॉडल से बना रोपवे भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। दरअसल, श्रीराम की देश दुनियां में स्वीकार्यता के मद्देनजर चित्रकूट को सजाने संवारने का काम 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गया था। रामायण कॉन्क्लेव, रामायण मेले का आयोजन, करीब 52 करोड़ रुपए की लागत से डिजिटल रामायण गैलरी एवं वॉटर स्क्रीन लेजर शो तैयार किया गया। चित्रकूट की ब्रांडिंग के लिए टूर ऑपरेटर्स का फेम टूर पैकेज की भी पहल हुई। साथ दूसरे कार्यकाल के शुरू में ही सरकार ने जिन चुनिंदा धार्मिक स्थलों पर वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं सृजित करने और ब्रांडिंग का लक्ष्य रखा उसमें चित्रकूट भी शामिल था।

त्रेता में क्या थी चित्रकूट की ख्याति

त्रेता युग में चित्रकूट की ख्याति क्या थी इसका वर्णन करते हुए तुलसीदास ने रामचरित मानस में लिखा है कि जब वनवास के दौरान वह बाल्मीकि ऋषि से मिलने उनके आश्रम गए थे चलते उनको ऋषिवर ने चित्रकूट में कुछ समय गुजारने के साथ उसकी महिमा का वर्णन कुछ ऐसे किया था, ₹चित्रकूट गिरि करहु निवासू। तहँ तुम्हार सब भाँति सुपासू। सैलु सुहावन कानन चारू। करि केहरि मृग बिहग बिहारू। नदी पुनीत पुरान बखानी। अत्रिप्रिया निज तपबल आनी। सुरसरि धार नाउँ मंदाकिनि। जो सब पातक पोतक डाकिनि।। अत्रि आदि मुनिबर बहु बसहीं। करहिं जोग जप तप तन कसहीं₹अब उसी चित्रकूट को योगी सरकार उसी ख्याति के अनुसार सजा और संवार रही है।

चित्रकूट की बेहतरी के लिए किए गए कार्य

चित्रकूट के समग्र विकास के लिए चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद का गठन हो चुका है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से सड़क कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। यहां की पहाड़ियों पर एक खूबसूरत एयरपोर्ट भी खुल चुका है। यह सात जिलों वाले बुंदेलखंड का पहला एयरपोर्ट है। कनेक्टिविटी बढ़ने और पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ने से हाल में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान उलट प्रवाह के कारण यहां ढेर सारे पर्यटक आए। आने वाले दिनों में चित्रकूट आने वाले पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। इसके मद्देनजर योगी सरकार पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं लगातार बेहतर कर रही है।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस वे, राम वनगमन मार्ग, सतना ग्रीनफील्ड हाइवेसे और बेहतर हो जाएगी कनेक्टिविटी

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस वे , बुंदेलखंड को चित्रकूट को बाया प्रयागराज रीवा मार्ग से जोड़ने के लिए एक्सप्रेस वे से जोड़कर चित्रकूट की कनेक्टिविटी को और बेहतर किया जा रहा है। सतना से चित्रकूट को जोड़ने के लिए भी चार लेन के ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे की घोषणा केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर चुके हैं। भारत माला परियोजना के तहत इस पर काम भी हो रहा। इससे मध्यप्रदेश और इससे आगे मुंबई तक चित्रकूट की कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। इसके अलावा फरवरी में लखनऊ में आए नितिन गडकरी ने बताया कि अयोध्या से चित्रकूट तक बनने वाले राम वन गमन मार्ग पर केंद्र सरकार 11000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। अगले साल तक (2026) तक इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इससे अयोध्या और चित्रकूट की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। साथ ही वनगमन के दौरान जिन जगहों पर श्रीराम ने कुछ समय गुजारे थे उनका आकर्षण पर्यटकों के लिए और बढ़ जाएगा। खासकर श्रृंगवेरपुर जहां राम और निषाद राज का मिलन और संवाद हुआ था और निषाद राज ने उन्हें गंगा पार कराया था। इसके बढ़ते महत्व के मद्देनजर श्रृंगवेरपुर में सरकार विकास के कई काम करा चुकी है। साथ ही सामाजिक समरसता के प्रति के रूप में श्रीराम और निषादराज के मिलन को दर्शाती एक विशाल प्रतिमा भी लग चुकी है।

सिर्फ पर्यटन ही नहीं चित्रकूट को निवेश का भी हब बना रही सरकार

योगी सरकार का ध्यान सिर्फ पर्यटन पर ही नहीं है, वह चित्रकूट को निवेश का भी हब बनाना चाहती है इसी मंशा से पर्यटकों के साथ निवेशकों को आकर्षित करने के लिए छह जिलों को शामिल करते हुए प्रयागराज-चित्रकूट विकास क्षेत्र का गठन किया गया है। इसमें प्रयागराज एवं चित्रकूट साथ फतेहपुर, बांदा, कौशांबी और हमीरपुर भी शामिल हैं। इसके गठन की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में हुई बैठक के दौरान की थी। अयोध्या से लेकर चित्रकूट तक राम वनगमन मार्ग में पड़ने वाले हर महत्वपूर्ण स्थल का सरकार पहले से विकास करा रही। डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड्स में से एक चित्रकूट भी है। कुल मिलाकर योगी के कार्यकाल के दौरान चित्रकूट की चमक बढ़ी है। चल रहे विकास कार्यों के पूरा होने पर यह चमक और बढ़ेगी।

पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए 50 करोड़ की मंजूरी

8 अप्रैल को हुई कैबिनेट की बैठक में भी इसके किए सरकार ने 50 करोड़ रुपए मंजूर किए। इस पैसे से राम वनगमन के पड़ाव स्थल पर पर्यटक सुविधा केंद्र की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा। इसमें करीब 12 करोड़ रुपए की लागत आएगी। एयरपोर्ट के पास देवांगना में 17.56 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटक सुविधा केंद्र बनेगा। इसी क्रम में कामदगिरि परिक्रमा मार्ग के विकास में 20.45 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन सभी कार्यों के लिए पहली किस्त के रूप में क्रमशः 50, 70 और 75 लाख रुपए जारी भी किए जा चुके हैं। राम के वनवास से जुड़े स्थलों, मंदाकिनी जिसका हमारे धर्मग्रंथों में खासा महत्व है। उसके घाटों खासकर रामघाट, तुलसी दास की जन्म स्थली राजापुर ,महर्षि बाल्मीकि का आश्रम लालपुर आदि का सुंदरीकरण शामिल हैं।

कार्यभार ग्रहण करते ही लिया गन्ना आयुक्त ने एक्शन

कीट रोगों के आकलन के लिये वैज्ञानिक टीमें गठित गन्ना आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

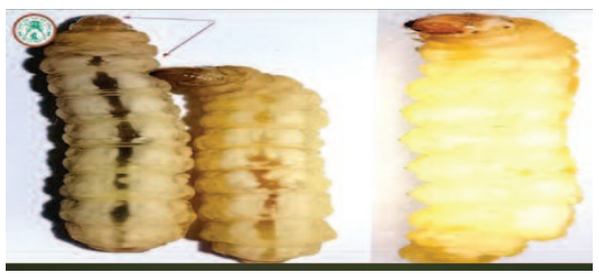

लखनऊ /मेरठ। नवागन्तुक आयुक्त, गन्ना एवं चीनी प्रमोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभाग के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा में प्रदेश की पेड़ी गन्ने एवं शरदकालीन बुआई के अन्तर्गत पौधा फसल में पायरिला एवं टॉप बोरर का प्रभाव देखे जाने और इससे विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की चिन्ता से अवगत कराया गया।

सामान्यतया यह समय टॉप बोरर के प्रथम व द्वितीय ब्रूड का समय है, इसी प्रकार पायरिला का भी असर देखा जा रहा है, इसके साथ उसका परजीवी कीट भी दिखाई दे रहा है और प्रभावी नियंत्रण इसके परजीवी कीट द्वारा हो सकता है जो स्वाभाविक रूप से पायरिला के साथ-साथ ही खेत में आ जाता है। वर्तमान समय में इनके उपचार के लिए भौतिक विधियां जैसे-लाइट एवं फैरोमोनट्रैप, रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट करना एवं प्रभावित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करना ट्राइको कार्ड लगाकर जैसे उपायों को अपनाकर फसल को काफी हद तक बचाया जा सकता है, किन्तु इनका कीटों का प्रभाव अधिक होने तथा परजीवी कीट/ट्राइको कार्ड की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने पर रासायनिक नियंत्रण आवश्यक हो जाता है। अतः गन्ना किसानों की गन्ना फसल के रोग-कीटों से समय रहते बचाव / नियंत्रण तथा अच्छा उत्पादन प्राप्त करने हेतु तत्काल वैज्ञानिकों की टीम गठित कर सत्यापन कराना समय की जरूरत प्रतीत होती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की पेड़ी गन्ने एवं शरदकालीन बुआई के अन्तर्गत बोई गई पौधा फसल में टॉप बोरर, पायरिला व अन्य कीटों तथा लाल सड़न, बिल्ट, पोक्का बोइंग आदि रोगों के बचाव व प्रभावी नियंत्रण हेतु त्रिस्तरीय टीम का गठन किया गया है। परिक्षेत्रीय उप गन्ना आयुक्त अपने-अपने परिक्षेत्र हेतु गठित टीमों से समन्वय कर, परिक्षेत्र के प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण करायेंगे और गठित टीमें अपने-अपने आवंटित परिक्षेत्र में स्थलीय भ्रमण कर टॉप बोरर, पायरिला व अन्य कीटों तथा लाल सड़न, बिल्ट, पोक्का बोइंग आदि रोगों के बचाव व प्रभावी नियंत्रण हेतु 15 दिवस के अंदर अपनी संस्तुति विभाग को प्रेषित करेंगी। वैज्ञानिक संस्तुतियों के अनुसार रोग/कीटों के प्रभावी नियंत्रण हेतु सभी आवश्यक कदम अनिवार्य रूप से उठाये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत राहत कार्य के निर्देश दिए

अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें

निर्देश

- आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में प्रभावितों को तत्काल राहत राशि का वितरण करें
- घायलों का समुचित उपचार कराया जाए
- सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके
- जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें।

आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

छात्रवृत्ति, विवाह सहायता, कंप्यूटर प्रशिक्षण और छात्रावास अनुरक्षण योजनाओं पर खर्च किए गए करीब ढाई हजार करोड़ रुपए

आर्थिक सहायता

- 2024-25 में करीब 30 लाख छात्रों को मिली छात्रवृत्ति, एक लाख बेटियों की शादी में मिली आर्थिक सहायता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने 2024-25 में पिछड़े वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अपना खजाना खोल दिया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को राहत देने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है।

उनकी शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, सामाजिक सहयोग और आवासीय सुविधाओं के साथ ही आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देकर सरकार सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सरकार ने पिछड़ी जातियों की गरीब बेटियों की शादी में मदद के लिए 2024-25 में 200 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इसका लाभ एक लाख बेटियों और उनके परिवारों को मिला, जिससे उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन की नई शुरूआत करने का अवसर मिला। प्रदेश सरकार ने पिछड़ी जातियों के छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिए 2024-25 में 32.92 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इस योजना से 29,769 छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान मिला, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है।

छात्रवृत्ति योजना बनी सहारा

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2024-25 में सरकार ने पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना पर 168.75 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिससे 7.94 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिला है। इसके तहत, कक्षा एक से कक्षा 10 तक के पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वहीं, दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1981.45 करोड़ रुपए व्यय किए गए, जिससे 21.31 लाख छात्रों को शैक्षिक सहायता मिली। इसमें कक्षा 11 से उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले छात्र लाभान्वित होते हैं।

जल्द ही यीडा को मिलेगा नया ऑफिस, 27,800 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में होगा परिसर

भविष्य की जरूरतों पर आधारित होगा यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का नया सेंट्रल ऑफिस, यमुना एक्सप्रेसवे से मात्र 110 मीटर होगी दूरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू

- 800 लोगों की क्षमता वाला नया परिसर बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग वाली पार्किंग तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से होगा युक्त
- वर्क फ्रेंडली कल्चर को मिलेगा बढ़ावा, हाई स्पीड एलिवेटर्स, 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस के साथ ही GRIHA 5 स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन युक्त होगा परिसर
- ईको फ्रेंडली प्रक्रिया बनेगी निर्माण का आधार, यीडा ने कॉन्सेप्ट प्लान किया तैयार, प्राधिकरण का नया परिसर आगंतुकों के बीच बनेगा आकर्षण का केन्द्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अब जल्द ही यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के लिए नए सेंट्रल ऑफिस परिसर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। यीडा का नया ऑफिस गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 में स्थित होगा तथा कुल 27,800 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में फैला होगा। यह नया परिसर 800 लोगों की क्षमता युक्त होगा तथा यमुना एक्सप्रेसवे से इसकी दूरी मात्र 110 मीटर होगी। इस परिसर को वर्क फ्रेंडली डिजायन के आधार पर बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि परिसर में बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग स्टेशन डेसिगनेटेड पार्किंग स्थल तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इस विषय में यीडा द्वारा कॉन्सेप्ट प्लान तैयार किया गया है। योजना के अनुसार, परिसर को GRIHA 5 स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन युक्त किया जाएगा और उत्तम कनेक्टिविटी युक्त होगा। यहां हाई स्पीड एलिवेटर्स, 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस व खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

यीडा की कॉन्सेप्ट प्लान के अनुसार, नए परिसर में भव्य एंट्री लॉबी का निर्माण होगा जो आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र होगा।

यह खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा में बनाया जाएगा तथा फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त होगा। परिसर में आकर्षक हरित क्षेत्र का निर्माण व विकास भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परिसर में स्टाफ पार्किंग, वीआईपी पार्किंग समेत विभिन्न प्रकार की पार्किंग्स का निर्माण किया जाएगा जो कि आगंतुकों को वाहन पार्किंग की समस्या से निजात दिलाएंगे। कम्यूनिटी एंगेजमेंट और सोशल इंटरैक्शन के लिए परिसर में ओपन स्पेसेस को आकर्षक बनाने के लिए विशिष्ट आर्किटेक्चर पर काम किया जाएगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए परिसर को सस्टेनेबिलिटी और कम ऊर्जा खपत परिसर के तौर पर विकसित किया जाएगा जहां स्मार्ट लाइटिंग व प्राकृतिक प्रकाश की उत्तम व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा।

यीडा द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार परिसर का कुल प्रसार 27,800 स्क्वेयर मीटर में होगा, जबकि ऑफिस का कुल बिल्ड अप एरिया 45,528.18 स्क्वेयर मीटर होगा। परिसर में मुख्यतः कई प्रकार की अनावासीय सुविधाओं का निर्माण व विकास किया जाएगा, जिसके लिए कॉन्सेप्ट प्लान के जरिए एक शुरूआती खाका तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार, सर्विस रोड, प्रवेश व निकास द्वार, बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार की अवसंरचनाओं के निर्माण व विकास का अनुमानित प्रस्ताव बना लिया गया है। योजना के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 स्थित प्लॉट नंबर एफ-4 पर प्रस्तावित परिसर का निर्माण किये जाने की तैयारी है।

नया परिसर यमुना एक्सप्रेसवे से समीप होगा और मात्र 110 मीटर की दूरी पर स्थित होगा।

सेहत/स्वास्थ्य

प्रेग्नेंसी में इन फलों को अपनी डाइट में करें शामिल, मां और बच्चा दोनों रहेंगे स्वस्थ

प्रेग्नेंसी के दौरान कई फल बच्चे के विकास के लिए काफी सहायक होते हैं। वहीं कुछ फल ऐसे भी होते हैं जो मां और बच्चे दोनों के लिए नुकसानदायक होते हैं। इसलिए अपनी डाइट में इन फलों को शामिल नहीं करना चाहिए।

अनन्या मिश्रा

किसी भी महिला के लिए प्रेग्नेंट होना उसके जीवन के सुखद अनुभवों में से एक होता है। हालांकि गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चे को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। हर महिला अपने लिए सुरक्षित और स्वस्थ गर्भावस्था की चाह रखती है। लेकिन इस दौरान सबसे बड़ी समस्या होती है वह प्रेग्नेंट महिलाओं की डाइट में कौन-से फ्रूटस शामिल करना चाहिए। साथ ही किन फलों के सेवन से उन्हें परहेज करना चाहिए।

इन फलों से दूर रहें गर्भवती महिलाएं

पपीता

हालांकि पपीता पोषक तत्वों से भरपूर होता है। पपीता में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। साथ ही यह सेहत के लिए भी हेल्दी फल होता है। लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान पपीते का सेवन करने से बचना चाहिए। पपीते में लैक्टेस मौजूद होता है। जिसके कारण गर्भाशय में संकुचन, रक्तस्त्राव और यहां तक कि मिसकैरेज भी हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था में पके व कच्चे पपीते के सेवन से परहेज करना चाहिए।

अनानास

अनानास एक बेहद स्वादिष्ट और रसीला फल होता है। यह फल सेहत के लिए भी अच्छा होता है। लेकिन गर्भावस्था में इस फल के सेवन से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि अनानास में ब्रेमलीन एंजाइम मौजूद होता है। जिसकी वजह से समय से पहले प्रसव हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान अनानास खाने से बचना चाहिए।

अंगूर

आमतौर पर प्रेग्नेंट महिलाओं को अपनी डाइट में अंगूर को भी नहीं शामिल करना चाहिए। अंगूर में रेस्वेराट्रोल नामक एक यौगिक पाया जाता है। यह महिलाओं की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके सेवन से मां और बच्चे दोनों की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है।

डाइट में शामिल करें ये फ्रूट्स

केला

केले का सेवन गर्भावस्था के दौरान काफी फायदेमंद माना जाता है। केला कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। यह महिलाओं को ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। केले को आप अपनी डाइट में कई तरीके से शामिल कर सकते हैं।

हालांकि अगर आपको एलर्जा या डायबिटीज की समस्या है तो प्रेग्नेंसी के दौरान आपको केला का सेवन करने से पहले एक्सपर्ट्स से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सेब

गर्भावस्था के दौरान सेब का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। सेब में पोटैशियम और आयरन पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। जो महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

संतरा

संतरे में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। इसके अलावा सेब में फोलेट भी पाया जाता है। यह गर्भ में पलने वाले बच्चे के विकास में सहायक होता है।

ब्यूटी / फैशन

गर्मियों में स्किन की देखभाल के लिए इस तरह बनाएं टोनर

मिताली जैन

स्किन की देखभाल का सबसे पहला नियम होता है कि आप अपनी स्किन और मौसम को ध्यान में रखते हुए स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करें। यूं तो मार्केट कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स से अटा पड़ा है, लेकिन अगर स्किन की देखभाल के लिए घर पर ही इन प्रोडक्ट्स को तैयार किया जाए तो इसे सबसे अच्छा माना जाता है। यह ना केवल पॉकेट फ्रेंडली होता है, बल्कि नेचुरल होने के कारण इनसे स्किन को किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता है। चूंकि अब गर्मियों का मौसम हैं तो ऐसे में आप स्किन की केयर के लिए घर पर ही टोनर बना सकते हैं। आप कई अलग-अलग इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल करते हुए इसे बनाएं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको समर में स्किन टोनर तैयार करने के आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

ग्रीन टी टोनर

यह स्किन टोनर एजिंग स्किन के लिए काफी अच्छा है। एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण ग्रीन टी फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर सकती है और स्किन को यंगर बनाती हैं। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले एक कप ग्रीन टी तैयार करें।

अब आप इसे ठंडा होने दें। फिर इसमें टी ट्री एसेंशियल ऑयल की पांच से छह बूंदें डालकर मिक्स करें। अब आप इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और फ्रिज में स्टोर करें।

खीरे से बनाएं टोनर

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन को अतिरिक्त ठंडक और ताजगी की आवश्यकता होती है और ऐसे में खीरे का इस्तेमाल करना यकीनन एक अच्छा विचार है। खीरे से टोनर बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें। अब आप ब्लेंड किए हुए खीरे को एक साफ कपड़े से छान लें। खीरे के रस में रुई या रुई डुबोएं और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। 10 से 15 मिनट के बाद साफ पानी से चेहरा धो लें।

एलोवेरा जेल से बनाएं टोनर

गर्मी के मौसम में एलोवेरा जेल से बेहतर दूसरा कोई स्किन केयर इंग्रीडिएंट नहीं हो सकता है। यह ना केवल आपकी स्किन को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि इसकी हीलिंग प्रॉपर्टीज भी आपकी स्किन को बेदाग बनाने में मदद करती है।

एलोवेरा जेल से टोनर बनाने के लिए एक बाउल में आधा कप एलोवेरा जेल और आधा कप रोज वाटर डालकर मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह ब्लेंड हो जाए तो आप इसे बोतल में डालें और फ्रिज में स्टोर करें।

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन को अतिरिक्त ठंडक और ताजगी की आवश्यकता होती है और ऐसे में खीरे का इस्तेमाल करना यकीनन एक अच्छा विचार है। खीरे से टोनर बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें।

धर्म/कर्म

डुबकी लगाते समय श्रीकृष्णजी के गले में अचानक माला कैसे पड़ गयी थी?

> कृष्ण उद्धव के साथ यमुना में स्नान कर रहे थे। यमुना की धारा में बहते-बहते वह दोना आया। कृष्ण डुबकी लगाकर जैसे ही बाहर आए, दोना उनके सिर पर उलट गया और वह माला कृष्ण के गले में पड़ गई। उस दोने में राधा और गोपियों के प्रेमाश्रु देखकर श्रीकृष्ण के नेत्र में भी आँसू झरने लगे।

आरएन तिवारी

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे !
तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयंनुमः॥

भागवत-कथा, स्वर्ग के अमृत से भी अधिक श्रेयस्कर है।

भागवत-कथा श्रवण करने वाले जन-मानस में भगवान श्री कृष्ण की छवि अंकित हो जाती है। यह कथा ह्लपुनाति भुवन त्रयमह्ल तीनों लोकों को पवित्र कर देती है। तो आइए ! इस कथामृत सरोवर में अवगाहन करें और जन्म-मृत्यु के चक्कर से मुक्ति पाकर अपने इस मानव जीवन को सफल बनाएँ।

मित्रों ! पूर्व प्रसंग में हम सबने देखा कि अलौकिक लीला करते हुए भगवान ने कुब्जा पर कृपा कर उसे एक सुंदर नवयुवती बना दिया, आगे चलकर कंस के द्वारा आयोजित धनुष भंग किया। कुवलयापीड़, चाणुर आदि पहलवानों का उद्धार करने के बाद आततायी कंस का वध किया।

आइए ! अब आगे के प्रसंग में चलते हैं--- कंस के वध के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण उद्धव जी के साथ मथुरा में विचरण कर रहे हैं। उद्धव जी कौन हैं? आइए ! थोड़ा जान लें। शुकदेव जी कहते हैं–

वृष्णिनां प्रवरो मंत्री कृष्णस्य दयितः सखा।
शिष्यो बृहस्पतेः साक्षात उद्धवो बुद्धि सत्तमः॥

उद्धव जी वृष्णि वंशियों में प्रधान, बृहस्पति के शिष्य और परम बुद्धिमान भगवान श्रीकृष्ण के प्यारे सखा तथा मंत्री थे। तो दोनों यहाँ मथुरा पूरी में विचरण कर रहे थे और उधर व्रज में राधिका और गोपियाँ कृष्ण के वियोग में अश्रुपात कर रही हैं। एक दिन कृष्ण की याद बहुत व्यथित कर दी। राधा संग गोपियों ने पत्ते का एक दोना बनाया, दोने में एक माला रखी और अपने प्रेम की आंसुओं से उस दोने को भर दिया और उसे यमुना में बहा दिया। देखिए ! यह एक संकेत है– कन्हैया प्रेम की धारा में बह कर तो देखो। ये कहने को तो दो हैं लेकिन वास्तव में दो---ना। अर्थात एक ही हैं।

श्याम श्याम रटत-रटत राधा जी श्याम भई।

दूसरे दिन कृष्ण उद्धव के साथ यमुना में स्नान कर रहे थे। यमुना की धारा में बहते-बहते वह दोना आया। कृष्ण डुबकी लगाकर जैसे ही बाहर आए, दोना उनके सिर पर उलट गया और वह माला कृष्ण के गले में पड़ गई। उस दोने में राधा और गोपियों के प्रेमाश्रु देखकर श्रीकृष्ण के नेत्र में भी आँसू झरने लगे। भगवान ने गीता में कही हुई अपनी बात सही साबित कर दी।

ये यथा मां प्रपद्यन्ते तान तथैव भजाम्यहम।

भगवान ने भी प्रेम के आंसुओं के बदले प्रेमाश्रु दिया। देखिए ! भगवान पहली बार रोए हैं। उनकी जिंदगी में बड़ी-बड़ी मुश्किलें बड़े-बड़े संकट आए लेकिन वे कभी रोए नहीं सदा मुसकुराते रहे। लेकिन आज वे गोपियों की भक्ति से भाव-विभोर होकर रोने लगते हैं और उद्धव जी से कहने लगते हैं-----

हे उधो ! मोहि व्रज बिसरत नाहीं
हंस सुता की सुंदर गगरी और कुंजन की छाहीं॥
हे उधो ! मोहि व्रज बिसरत नाहीं

उद्धव ने पूछा प्रभो ! आप तो जगतगुरु हैं साक्षात परब्रह्म परमेश्वर हैं, आपकी आँखों में आँसू? आपके उपदेश से तो बड़ों-बड़ों के विषाद मिट जाते हैं।

प्रभु ने कहा– उद्धव जी ! ये हमारे आँसू हमारी वजह से नहीं। मुझमें हम और हमारा है ही नहीं। ये आँसू जिनकी वजह से निकल रहे हैं उन्हे जाकर समझाइए।

इत्युक्त उद्धवो राजन संदेशम भतुर्रद्दतः।
आदाय रथमारुह्य प्रययौ नंदगोकुलम॥

वही उद्धव जी गोपियों को भगवान का संदेश सुनाने के लिए व्रज में जाते हैं। द्वैत वाद अद्वैत वाद और तत्व ज्ञान का उपदेश देते हैं, ब्रह्म और जीव की व्याख्या करते हैं। गोपियों ने उद्धवजी के तत्वज्ञान को ठुकरा दिया और कहा–

हे उधो ! मन ना भए दस बीस
एक जो था सो गयो श्याम संग को अवराधे ईस।
हे उधो ! मन ना भए दस बीस।

गोपियाँ कहती हैं, उद्धव जी ! हमारे पास कोई दस-बीस मन नहीं है। एक ही मन है जो गोविंद के पद पंकज में लगा हुआ है। अब हम आपके द्वारा बताए गए ब्रह्म यानी ईश्वर की आराधना किस मन से करें ? गोपियों ने प्रेम के सामने ज्ञान को बौना बताया। गोपियाँ कहती हैं–

उधो ! हम प्रेमी हैं प्रेम करना जानते हैं।
दुर्योधन के मेवा त्यागी साग विदुर घर खाई
हे उधो बड़ो है प्रेम सगाई॥

कन्हैया के वियोग में व्याकुल होकर गोपियाँ लोक-भाषा में गा उठती हैं

जब से कन्हैया गइलें गोकुल बिसारि हो दीहलें।
हे ऊधो कवन रे जोगीनीया जोगवा साघेली हे राम।
बटिया जोहत राधा सूखि गइले तना आधा।
हे ऊधो पतिया बाचत छतिया फाटेला हो राम।
तोहरा बिना बिना वृन्दावन लागता रे सूना सूना।
हे ऊधो, कवन रे सवतिया मतिया मारेली हो राम।

देखिए ! उद्धव जी गोपियों को तत्व ज्ञान समझाने गए थे, और प्रेम की परिभाषा समझकर लौट आए।

घरेलु नुस्खे

टॉवल पर लग गया है हेयर डाई का दाग तो इस तरह करें उसे साफ

सिरके को आप अपनी किचन में ही नहीं, बल्कि क्लीनिंग में भी काम में ला सकते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि 2 कप सफेद सिरका और 2 बड़े चम्मच कपड़े धोने का डिटर्जेंट लें। आप इन दोनों को एक बाल्टी गुनगुने पानी में मिला लें।

मिताली जैन

बालों को कलर करने के लिए अक्सर हम हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं। हेयर डाई से बाल तो कलर हो जाते हैं, लेकिन उसके दाग टॉवल पर लग जाते हैं। हेयर डाई के दाग जल्द से टॉवल से जाते नहीं हैं और इसके कारण टॉवल हमेशा गंदा ही नजर आता है। भले ही उसे कितना भी साफ कर लें, वह दाग रह ही जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ है तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे कई आसान तरीके होते हैं, जिन्हें अपनाकर आप टॉवल पर लगे इस हेयर डाई के दाग को आसानी से साफ कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इन तरीकों के बारे में-

माउथवॉश की लें मदद

माउथवॉश ना केवल आपकी ओरल हेल्थ का ख्याल रखता है, बल्कि इसकी मदद से आप तौलिए पर लगे हेयर डाई के दाग को भी आसानी से क्लीन कर सकते हैं। इसके लिए आप टॉवल पर लगे दाग पर माउथवॉश डालें और फिर अपने पुराने टूथब्रश का उपयोग करके इसे साफ करें। इसके बाद आप दाग पर थोड़ा माउथवॉश और डालें और इसे भीगने दें। 5 मिनट के बाद आप अपने तौलिए को क्लीन करें।

सिरका आएगा काम

सिरके को आप अपनी किचन में ही नहीं, बल्कि क्लीनिंग में भी काम में ला सकते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि 2 कप सफेद सिरका और 2 बड़े चम्मच कपड़े धोने का डिटर्जेंट लें। आप इन दोनों को एक बाल्टी गुनगुने पानी में मिला लें। अपने तौलिये को इस मिश्रण में कुछ घंटों के लिए भीगने दें। इसके बाद आप अपने तौलिए को क्लीन करें।

हेयरस्प्रे की लें मदद

अगर आपकी हेयर किट में हेयरस्प्रे है तो ऐसे में आपको टॉवल पर लगे दाग को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि अपना हेयरस्प्रे लें और इसे दाग वाली जगह पर स्प्रे करें। हेयरस्प्रे में अल्कोहल और अन्य केमिकल्स होते हैं जो दाग को साफ करने में मदद कर सकते हैं। करीबन 5 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, टॉवल को क्लीन करें।

सरकार की संचालित योजनाओं का लें लाभः डॉ. मंजू शिवाच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में निर्माण श्रमिकों को जागरूक किये जाने एवं हितलाभ वितरण के लिए ब्लाक भोजपुर गाजियाबाद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 मंजू शिवाच विधायक मोदीनगर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुचेता सिंह, ब्लाक प्रमुख, भोजपुर, उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनुराग मिश्र, उप श्रम आयुक्त, गाजियाबाद क्षेत्र, गाजियाबाद द्वारा की गयी। उप श्रम आयुक्त, गाजियाबाद द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को बोर्ड के अंतर्गत संचालित योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन किये जाने एवं अधिक से अधिक पंजीयन कराये जाने हेतु अपील की गयी। सहायक श्रम आयुक्त वीरेन्द्र कुमार द्वारा अटल आवासीय विद्यालय योजना के अंतर्गत लाभ लिये जाने हेतु जागरूक किया गया।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी डा0 रूपाली द्वारा बोर्ड में पंजीयन कराये जाने की प्रक्रिया एवं श्रमिकों की पात्रता श्रेणी, बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को दी गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा0 मंजू शिवाच द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को सरकार द्वारा चलायी गयी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लिये जाने हेतु आवाह्न किया गया तथा अवगत कराया गया कि सरकार समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े श्रमिक वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

विशिष्ट अतिथि सुचेता सिंह द्वारा भी कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिको से अधिक से अधिक पंजीयन कराने तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपने आस-पास के निर्माण श्रमिकों का पंजीयन कराने एवं योजनाओं से जागरूक करने की अपील की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत-1, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत 04, कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत 05 एवं निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना के अन्तर्गत 02 (कुल 12) लाभार्थियों को धनराशि रू0 8,44,000/- (आठ लाख चौवालीस हजार रू0 मात्र) के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रूपाली, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा0 मंजू शिवाच, मा0 विधायक, मोदीनगर, श्रीमती सुचैता सिंह, ब्लॉक प्रमुख, भोजपुर, अनुराग मिश्र, उप श्रमायुक्त, वीरेन्द्र कुमार, सहायक श्रमायुक्त, हंस राज श्रम प्रवर्तन अधिकारी, डा0 रूपाली, श्रम प्रवर्तन अधिकारी एवं मोहित अग्रवाल, सहायक विकास अधिकारी तथा जेएन राय सहायक विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करते हुए अनुराग मिश्र, उप श्रम आयुक्त, गाजियाबाद क्षेत्र, गाजियाबाद द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित निर्माण श्रमिकों से यह अपील की गयी कि यदि उन्हें पंजीकरण कराने में किसी प्रकार की कठिनाई आ रही है, तो कार्यालय उप श्रम आयुक्त, लोहिया नगर, गाजियाबाद में आकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भाजपा जिला की बैठक जिला कार्यालय नेहरू नगर में भाजपा जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह ने भाजपा के आगामी आयाम एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पूरे देश भर में होने वाले लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित किया है वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सामाजिक स्तर पर हम सभी को समर्थन जुटाना है ताकि एक राष्ट्र एक चुनाव से सरकारी संसाधनों की बबार्दी रुकेगी सुरक्षा बलों पर दबाव कम होगा और नागरिक एक साथ मतदान कर पाएंगे जिससे भागीदारी बढ़ेगी और लोकतंत्र और सशक्त बनेगा भाजपा प्रदेश द्वारा बनाए गए जिला समनवक पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल ने बताया की प्रत्येक जिले से नगर पालिका एवं नगर पंचायत से समर्थन पत्र लेकर माननीय राष्ट्रपति को स्पीड पोस्ट करना है। वन नेशन वन इलेक्शन अभियान में महिला मोर्चा युवा मोर्चा किसान मोर्चा एवं एंजियो प्रकोष्ठो को सम्मेलन करने है इसी के तहत एक प्रबुद्ध जन समागम भी जिले में कराया जाना है जिसमें प्रबुधजनों की भागीदारी होगी। सांसद एवं विधायक को भी विधानसभा स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने हैं बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ,जितेंद्र चित्तौड़ा, रामकुमार त्यागी, सुधीर पगड़ी, अमित चौधरी, नवीन जायसवाल, सोलत पाशा ,वीरेंद्र यादव, कोमूदी चौधरी ,पवन सोम , हिमांशु शर्मा , देवेंद्र चौधरी, राजकुमार यादव, अनिल प्रजापति, राहुल ,श्याम सुंदर, राहुल बैसला प्रदीप गहलोत आकाश गौतम, सुदेश भारद्वाज, धजय खारी ,विनय गुर्जर, सलाउद्दीन सैफी, संजय चौधरी, देवेंद्र सांगवान, जयवीर, जिले सिंह सहित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

पीबीएएस कन्या इंटर कॉलेज में हुआ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पीबीएएस कन्या इंटर कॉलेज में निवोक सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सभासद ललित त्यागी के सहयोग से कराया गया। जिसका शुभारंभ विनोद वैशाली चेयरमैन मोदीनगर, अमित शर्मा चेयरमैन निवोक हॉस्पिटल, सचिन अहलावत वाइस चेयरमैन निवोक हॉस्पिटल, व दिनेश सिंघल पूर्व जिलाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस मौके पर संगीता शर्मा प्रधानाचार्य व ललित त्यागी सभासद ने सभी को पटका पहनकर व सम्मान प्रतीक भेट कर स्वागत किया गया। शिविर में लगभग 800 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया जिन्हें दवाइयां भी निःशुल्क दी गई।

सभी ने निवोक हॉस्पिटल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर की प्रशंसा करते हुए हॉस्पिटल परिवार को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सत्येंद्र त्यागी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, शिव अग्रवाल, डॉ उमेश श्रीवास्तव, नवीन जायसवाल, जीत सिंह, टेमपाल चौधरी, यतीश त्यागी, महेश कश्यप, विनोद नेहरा, अशोक यादव, गोपाल गुप्ता, ललित शर्मा, नूतन खतियान, अनुज त्यागी, संजय शर्मा, अविनाश त्यागी, संदीप शर्मा, योगेंद्र गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

पुरुषों के उत्पीड़न को रोकने के लिए बनाया जाए पुरुष आयोग: शेखर त्यागी तलहैटा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पिछले कुछ वर्षों से पुरुषों के द्वारा राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन की मांग की जा रही है। यह मांग कई शहरों दिल्ली, लखनऊ, रांची, एवं मेरठ जैसे शहरों से लगातार उठ रही हैं। लगातार महिलाओं द्वारा पुरुषों पर हो रहे उत्पीड़न और आत्महत्याओं को घटनाओ को देखते हुए इसकी मांग तेज हो गई है। देश में पत्नियों से प्रताड़ित पतियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

किसान पुत्र शेखर त्यागी ने भारत सरकार से महिला आयोग की तरह ही पुरुष आयोग और पुरुष मंत्रालय बनाए जाने की मांग की है जिससे पीड़ित पुरुषों को भी इंसाफ मिल सके।त्यागी ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमारे देश में पिछले एक साल में लगभग 1 लाख 18 हजार पुरुषों ने आत्महत्या की है। इनमें से 84 हजार के लगभग विवाहित पुरुष थे, जो जिंदगी के संघर्ष से लड़ नहीं पाए। 33.2 प्रतिशत पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण और

- देश में पिछले एक साल में लगभग 1 लाख 18 हजार पुरुषों ने की आत्महत्या

4.8 प्रतिशत ने वैवाहिक कारणों से आत्महत्या की। पुरुषों की आत्महत्या और घरेलू हिंसा से निपटने के लिए मानवाधिकार आयोग को भी निर्देश दिया जाना चाहिए। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन सवाल है कि ऐसा होगा कैसे? महिलाएं तो जैसे ही किसी प्रकरण में फंसती हैं, किसी न किसी ऐसे कानून का सहारा ले लेती हैं, जहां पुरुषों की कोई सुनवाई ही नहीं होती। बिना किसी जांच-परख के पुरुषों को दोषी मान लिया जाता है। कानून की यह कैसी प्रक्रिया है, जहां दूसरे पक्ष को अपनी बात कहने और अपने को सही साबित करने का अवसर ही प्रदान न किया जाए? उन्होंने कहा की एकपक्षीयता से निपटने के लिए पुरुष आयोग बनाना बहुत आवश्यक हो गया है। वैसे भी जब अपने यहां हर एक की समस्याओं के निपटान के लिए आयोग बना दिए जाते हैं तो पुरुषों के लिए ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? इसमें कुछ गलत भी नहीं है। पुरुष आयोग हो तो पुरुषों को भी अपनी बात कहने का अवसर मिले। वे भी न्याय पा सकें। अपने यहां जैसे लैंगिक कानून हैं, उनमें बदलाव की भी सख्त आवश्यकता है। कानून हर पक्ष की बात सुने और जो दोषी हो, चाहे स्त्री या पुरुष उन्हें सजा दे। तभी कानून का महत्व भी सिद्ध हो सकता है और वह सभी को न्याय देने वाला बन सकता है।

गेहूं की फसल हुई जलकर राख

मोदीनगर। गांव महमदपुर मतोर में करीब 10 बीघे गेहूं की फसल बिजली के तार आपस में टच होने से चिंगारी लगने से गेहूं की फसल जल गई। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी को गांव वालों ने सूचना दी।

रामवीर त्यागी व यामीन गांव मोहम्मदपुर मतोर के रहने वाले हैं उनके खेत में बिजली के तार आपस में टच हो जाने से चिंगारी लगने से उनकी करीब 10 बीघे गेहूं की फसल जल गई। हर साल क्षेत्र में बिजली के तारों से चिंगारी लगने से बिजली विभाग की लापरवाही से गेहूं की वह गन्ने की फसल हर वर्ष बर्बाद हो रही है। गांव मोहम्मदपुर मतोर मैं आम के पेड़ भी बिजली की चिंगारी लगने से झुलस गए।

डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में पिंक पुलिस यूनिट ने छात्राओं को किया गया जागरूक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल, मोदीनगर में आज पिंक पुलिस यूनिट द्वारा कक्षा 8 एवं 9 की छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्म-सुरक्षा, सतर्कता एवं महिला सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करना था।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महिला थाना प्रभारी उषा मलिक रहीं, जिन्होंने छात्राओं को यह समझाया कि वे स्वयं की सुरक्षा किस प्रकार कर सकती हैं, किसी असहज स्थिति में उन्हें क्या कदम उठाने चाहिए और किस तरह की सहायता उपलब्ध है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने और साहसपूर्वक किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्य पूजा शर्मा ने कार्यक्रम के लिए पिंक पुलिस यूनिट और थाना प्रभारी उषा मलिक का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यालयों में समय-समय पर होने चाहिए, ताकि छात्राएं न केवल शिक्षित हों बल्कि सामाजिक रूप से भी सजग और आत्मनिर्भर बन सकें। छात्राओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दिखाई और अनेक प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान महिला थाना प्रभारी ने सरल एवं संवेदनशीलता से किया। इस सफल आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन ने पिंक पुलिस यूनिट का विशेष धन्यवाद किया।

एसआरएस इंस्टिट्यूट गेझा में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के प्रमाण पत्रों का हुआ वितरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएस इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन एंड टेक्नोलॉजी में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के प्रमाण पत्रों का वितरण सांसद डॉ राजकुमार सांगवान जिला बागपत व पूर्व विधायक भाजपा चौधरी जितेंद्र सतवाई द्वारा किया गया। डॉ. राजकुमार सांगवान महाविद्यालय में एनसीसी के छात्रा-छात्राओं की प्रस्तुति देखकर बेहद प्रभावित हुए।

उन्होंने कहा कि गेझा ग्राम मेरा क्षेत्र है और मुझे प्रसन्नता है कि एसआरएस महाविद्यालय क्षेत्र के बच्चों को महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बागपत संसदीय क्षेत्र के टिकट मिलने पर लोक दल अध्यक्ष जयंत चौधरी को हार्दिक धन्यवाद दिया।

महाविद्यालय सचिव अजय शर्मा ने महाविद्यालय की उपलब्धियो के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की अध्यक्षता कुसुम लता, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजू सेठी व भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, सतेंद्र, अरुण शर्मा, देवेंद्र त्यागी, रणवीर सिंह, ऋषिराज मास्टर जी, पुनीत नागा, योगेंद्र प्रधान आादि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे कअंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय कुमार गर्ग ने सभी का आभार व्यक्त करते हुएं धन्यवाद दिया। महाविद्यालय की ओर से प्रमुख रूप से विजय शर्मा, रूचिन शर्मा, अंकुर मित्तल, लोकेश चौहान, शिवम गौड़, सुधीर शर्मा व अन्य सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

- प्रमाण पत्रों का वितरण सांसद डॉ राजकुमार सांगवान व पूर्व विधायक भाजपा चौधरी जितेंद्र सतवाई द्वारा किया गया

उत्थान फाउंडेशन द्वारा 'बढ़ते कदम' परियोजना के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। रविवार को विजयनगर, मोदीनगर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें निम्न आय वर्ग की बालिकाओं के लिए 'चार्ट पेपर पर नारा लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं की रचनात्मकता को मंच देना, सामाजिक मुद्दों पर उनकी सोच को उभारना और उनमें आत्मविश्वास का विकास करना था। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था उत्थान फाउंडेशन की सफल परियोजना 'बढ़ते कदम' के अंतर्गत आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी बालिकाएं उन्हीं अंग्रेजी कक्षाओं की छात्राएं थीं, जो नियमित रूप से इन कक्षाओं में भाग लेकर स्वयं को शिक्षा से सशक्त बना रही हैं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायक रुचि गुप्ता रहीं, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की। संस्था की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में अंजलि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसने 'स्वतंत्रता सैनानी भगत सिंह' विषय पर अत्यंत प्रभावशाली नारा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली सभी बालिकाओं को अंत में उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।